E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 66 | प्रयागराज, सोमवार 18 मई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका ईरान पर अगले हफ्ते दोबारा हमले की तैयारी में,50 हजार सैनिक और युद्धपोत तैनात,ट्रम्प के फैसले का इंतजार

वॉशिंगटन। अमेरिका अगले हफ्ते ईरान पर दोबारा सैन्य हमले की तैयारी कर रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक,

पेंटागन ने हमले के कई विकल्प तैयार किए हैं और अब अंतिम फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को लेना है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई बढ़ाने की योजना तैयार है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, हमले के विकल्पों में ईरान के सैन्य और इंफ्रास्ट्रक्चर ठिकानों पर बड़े हवाई हमले शामिल हैं।एक विकल्प अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशन फोर्सेज को जमीन पर उतारकर इस्फहान परमाणु साइट में दबे परमाणु सामग्री यानी एनरिच्ड यूरेनियम तक पहुंचने का भी है। हालांकि अधिकारियों ने माना कि ऐसा ऑपरेशन बेहद जोखिम भरा होगा और इसमें भारी सैन्य नुकसान हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में 50 हजार से ज्यादा सैनिक तैनात रखे हैं। इसके अलावा दो एयरक्राफ्ट कैरियर, एक दर्जन से ज्यादा नेवी डेस्ट्रॉयर और बड़ी संख्या में लड़ाकू विमान भी क्षेत्र में मौजूद हैं। करीब 5 हजार मरीन और 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के 2 हजार पैराट्रूपर्स भी आदेश का इंतजार कर रहे हैं। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. ट्रम्प-जिनपिंग में ईरान जंग पर दो बातों पर सहमतिः दोनों नेताओं ने माना कि मौजूदा युद्ध खत्म होना चाहिए और होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खुला रहना चाहिए। हालांकि चीन ने युद्ध खत्म कराने में बड़ी भूमिका के संकेत नहीं दिए। 2. ब्रिक्स देशों में ईरान मुद्दे पर एक राय नहीं बनीः नई दिल्ली में हुई ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में ईरान युद्ध को लेकर सदस्य देशों के बीच मतभेद दिखे। साझा बयान में कहा गया कि इस मुद्दे पर सभी देशों की सोच अलग-अलग है। 3. अमेरिका का दावा- चीन अब ज्यादा अमेरिकी तेल खरीदेगाः अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि युद्ध के बीच चीन अमेरिका से तेल खरीद बढ़ा सकता है। उन्होंने होर्मुज में जहाजों की सामान्य आवाजाही को जरूरी बताया। 4. चीन ने अमेरिका-ईरान से बातचीत जारी रखने की अपील कीः चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि होर्मुज संकट का समाधान सिर्फ स्थायी युद्धविराम और बातचीत से निकल सकता है। उन्होंने कहा कि ताकत नहीं, कूटनीति ही सही रास्ता है। 5. जर्मनी ने ईरान से तुरंत बातचीत शुरू करने को कहाः जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि ईरान को तुरंत बातचीत की टेबल पर आना चाहिए और उसे परमाणु हथियार बनाने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट खोलने की भी मांग की। ईरान की चेतावनी- यूएन प्रस्ताव का समर्थन करने वाले भी जिम्मेदार होंगे-संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने चेतावनी दी है कि होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिका समर्थित प्रस्ताव का समर्थन करने वाले देशों को भी किसी नए सैन्य तनाव के लिए जिम्मेदार माना जाएगा। ईरान ने कहा कि अगर अमेरिका क्षेत्र में सैन्य कार्रवाई बढ़ाता है, तो इस प्रस्ताव के सह-प्रायोजक देश भी उसकी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी साझा करेंगे।

आसनसोल में तोड़फोड़-पथराव,पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी

हंगामा करने वालो को चिन्हित किया जा रहा

आसनसोल। पश्चिम बंगाल के आसनसोल में लाउडस्पीकर की आवाज कम करने के निर्देश के बाद शुक्रवार रात को तनाव फैल गया।

रेलपार इलाके में भीड़ ने पुलिस चौकी में तोड़फोड़ और पथराव किया। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। पुलिस प्रशासन ने राज्य सरकार के निर्देश पर आसनसोल के कई हिस्सों में लाउडस्पीकर की आवाज कम रखने को कहा था। इसी सिलसिले में दिन में रेलपार इलाके में पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच बातचीत हुई थी। शाम को बड़ी संख्या में लोग पुलिस चौकी पहुंच गए। भीड़ ने चौकी पर पथराव किया। पुलिस और आम लोगों के वाहनों में तोड़फोड़ की। घटना में कुछ पुलिसकर्मियों को चोट आई है। तनाव के बाद इलाके में पैरामिलिट्री फोर्स तैनात की गई है। पुलिस के डिप्टी कमिश्नर वीजी सतीश पसुमार्थी ने कहा- अब स्थिति कंट्रोल में है। सीसीटीवी फुटेज की पहचान की जा रही है। घटना में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आईसिस के नंबर-2 कमांडर की अमेरिकी ऑपरेशन में मौत,अफ्रीका में छिपा था

ट्रम्प बोले- वह दुनिया का सबसे एक्टिव आतंकी था

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आतंकी संगठन आईसिस के दूसरे सबसे बड़े कमांडर अबू बिलाल अल मिनुकी के मारे जाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने नाइजीरियाई सेना के साथ मिलकर अफ्रीका में इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। ट्रम्प ने कहा कि यह ऑपरेशन बहुत ही प्लानिंग के साथ और बेहद मुश्किल तरीके से अंजाम दिया गया। वह छिपा हुआ था तभी उसे निशाना बनाया गया। उनके मुताबिक यह आतंकी दुनिया के सबसे एक्टिव आतंकियों में से एक था और उसे खत्म करने के लिए काफी समय से उस पर नजर रखी जा रही थी। ट्रम्प ने यह भी कहा कि उसके मारे जाने से आईसिस के फंडिंग नेटवर्क और कमांड सिस्टम को बड़ा नुकसान हुआ है। हालांकि ऑपरेशन कहां और कब हुआ, इसकी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। आईसिस का सबसे बड़ा नेता उसका खलीफा होता है। अभी के समय में इस संगठन का प्रमुख अबू हफ्स अल हाशिमी अल कुरैशी माना जाता है। वहीं नंबर-2 अल मिनुकी को इस्लामिक स्टेट (आईसिस) का संगठन और फंडिंग संभालने वाला दिमाग माना जाता था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, वह अमेरिका और उसके विदेशों में मौजूद हितों पर हमलों की योजना बना रहा था। मिनाकी के और भी

कई नाम बताए गए थे, जिनमें अबुबकर मैनोक और अबोर मैनोक भी शामिल थे। अल मिनुकी की कोई आधिकारिक फोटो सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आई है। वह एक 'शैडो फिगर' यानी पर्दे के पीछे काम करने वाला कमांडर माना जाता था। अमेरिका ने 3 साल पहले ग्लोबल टेररिस्ट घोषित किया था- अल मिनुकी का जन्म 1982 में नाइजीरिया के बोर्नो राज्य में हुआ था। यह इलाका कैमरून, चाड और नाइजर की सीमा से लगता है। जून 2023 में बाइडेन सरकार ने मिनुकी को 'स्पेशली डेजिग्नेटेड ग्लोबल टेररिस्ट' घोषित किया था। जब अमेरिका किसी व्यक्ति या संगठन को दुनिया के लिए खतरनाक आतंकवादी मान लेता है, तो उसे इस सूची में डाल देता है। जिस व्यक्ति या संगठन को यह दर्जा मिल जाता है, उसके ऊपर कई सख्त पाबंदियां लग जाती हैं। जैसे उसकी अमेरिका में मौजूद सारी संपत्ति फ्रीज कर दी जाती है, कोई भी अमेरिकी नागरिक या कंपनी उससे लेन-देन नहीं कर सकती, साथ ही उसे आर्थिक और वित्तीय तौर पर पूरी तरह अलग-थलग करने की कोशिश की जाती है। पिछले महीने आईसिस ने नाइजीरिया के अदामावा राज्य में हुए एक हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें कम से कम 29 लोगों की मौत हुई थी। यह हमला गोम्बी लोकल गवर्नमेंट एरिया के गुयाकू इलाके में हुआ, जहां हथियारबंद हमलावरों ने स्थानीय लोगों को निशाना बनाया। इजीरिया में आईसिस ठिकानों पर हमला कर चुका अमेरिका-ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि हमला अफ्रीका में कहां हुआ, लेकिन माना जा रहा है कि यह ऑपरेशन नाइजीरिया में ही अंजाम दिया गया। यह पहली बार नहीं है जब ट्रम्प ने नाइजीरिया में आईसिस के खिलाफ कार्रवाई कराई हो। इससे पहले उन्होंने दिसंबर में वहां हमले कराए थे और कहा था कि आतंकवादी खासकर ईसाइयों को निशाना बना रहे हैं। ट्रम्प ने उस वक्त धमकी दी थी कि अगर आतंकियों ने ईसाइयों की हत्या बंद नहीं की, तो उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। हालांकि उस समय नाइजीरिया सरकार ने कहा था कि हालात इतने सीधे नहीं हैं और वहां ईसाई और मुस्लिम दोनों ही हिंसा का शिकार होते हैं।नाइजीरिया में 2 आतंकी संगठन एक्टिव-नाइजीरिया कई सालों से चरमपंथी हिंसा की बड़ी समस्या झेल रहा है, खासकर देश के उत्तर और उत्तर-पूर्वी इलाकों में। यहां दो बड़े आतंकी संगठन सबसे ज्यादा सक्रिय रहे हैं। बोको हराम और इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस। बोको हराम की शुरुआत करीब 2000 के दशक की शुरुआत में हुई थी, लेकिन 2009 के बाद इसने हिंसक रूप ले लिया। इस संगठन का मकसद पश्चिमी शिक्षा और जीवनशैली का विरोध करना है। इसने स्कूलों, गांवों, बाजारों और सुरक्षा बलों पर कई बड़े हमले किए।

देश में लू की चेतावनी देने का तरीका बदलेगा,यूपी, राजस्थान में पारा 45डिग्री पार, तीखी गर्मी के बीच आई राहत वाली खबर

लखनऊ। यूपी में अमूमन जून के दूसरे सप्ताह से लेकर तीसरे सप्ताह के बीच प्रदेश में मानसून

का आगमन होता रहा है, लेकिन इस बार मानसून के पहले प्रदेश में पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण पश्चिम मानसून 26 मई को केरल तट पर पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर अगले 24 घंटे में मानसून के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) देश में हीटवेव अलर्ट जारी करने के नियम बदलने की तैयारी कर रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि मौजूदा नियम भारत के अलग-अलग इलाकों, खासकर केरल के लिए ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। इस साल केरल में तेज गर्मी और उमस रही। पहली बार कर्नाटक-महाराष्ट्र तट के पास बने एंटी-साइक्लोन सिस्टम के आधार पर मौसम का अनुमान लगाना पड़ा। राजस्थान में गंभीर हीटवेव का अलर्ट है। रातें भी गर्म रहेंगी। छत्तीसगढ़, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी हीटवेव चलेगी। असम, मेघालय, केरल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून तय समय से 4 दिन पहले 26 मई को केरलम पहुंच सकता है। हालांकि अमेरिकी मौसम एजेंसी 'नेशनल ओशेनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (नोआ) के अनुसार इस साल सुपर अल नीनो का आना लगभग तय हो गया है।

दुनिया के लिए आपदाओं का दशक,पहले कोरोना, फिर युद्ध, अब ऊर्जा संकट-पीएम मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नीदरलैंड दौरे पर हैं।

उन्होंने ने द हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए दुनिया के मौजूदा हालात पर चिंता जताई। मोदी ने कहा कि आज मानवता के सामने अनेक बड़ी चुनौतियां हैं। पहले कोरोना, फिर युद्ध और अब ऊर्जा संकट से जूझ रही है। ये दशक दुनिया के लिए आपगदाओं का दशक बन गया है। अगर हालात नहीं बदले तो बीते अनेक दशकों के काम पर पानी फिर जाएगा। दुनिया की बहुत बड़ी आबादी गरीबी के दलदल में फंस जाएगी। 1. यूरोप में भारत की एंट्री का गेटवे बनेगा नीदरलैंडः- भारतीय बिजनेस के लिए नीदरलैंड यूरोप में एंट्री का नैचुरल गेटवे बनेगा। उन्होंने प्रवासी भारतीयों को दोनों देशों के बीच भरोसेमंद ब्रिज बताया। 2. दुनिया कई संकटों से जूझ रहीः- हालात नहीं बदले तो दुनिया की बड़ी आबादी गरीबी की ओर जा सकती है। उन्होंने कोरोना, युद्ध और एनर्जी क्राइसिस पर चिंताई जताई। 3. भारत बना स्टार्टअप हबः- भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। देश में 2 लाख से ज्यादा स्टार्टअप हैं। 4. डिजिटल पेमेंट में भारत आगेः- भारत में एक साल में 20 बिलियन से ज्यादा यूपीआई ट्रांजेक्शन हुए। दुनिया के आधे डिजिटल ट्रांजेक्शन भारत में हो रहे हैं। 5. चिप भी मेड इन इंडिया होगीः- भारत एआई और सेमीकंडक्टर सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश में 12 सेमीकंडक्टर प्लांट्स पर काम चल रहा है, जिनमें से 2 में प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। 6. 16 मई 2014 को बताया खास दिनः 16 मई 2014 को दशकों बाद भारत में पूर्ण बहुमत वाली स्थिर सरकार बनी थी। उन्होंने कहा कि करोड़ों भारतीयों का भरोसा उन्हें न रुकने देता है और न थकने देता है। 7. प्रवासी भारतीयों की तारीफः नीदरलैंड में भारतीयों का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि डच नेतृत्व हमेशा भारतीय समुदाय की प्रशंसा करता है।

भारत में सूखा/भीषण गर्मी पड़ने की आशंका,अल नीनो मई-जुलाई में एक्टिव,इससे मानसून कमजोर पड़ सकता है

नयी दिल्ली। भारत में इस साल सामान्य से कम बारिश के अनुमान के बीच सुपर अल-नीनो भी एक्टिव हो सकता है। अमेरिकी

मौसम एजेंसी 'नेशनल ओशेनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (नोआ) के अनुसार यह मई-जुलाई के दौरान ही दस्तक दे सकता है। नोआ ने बताया कि प्रशांत महासागर का तापमान इस बार मई में सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। यह गर्मी की स्थिति इस बार पूरे मानसून सीजन के दौरान बनी रह सकती है। पिछले महीने जारी अनुमान में यह संभावना 61फीसदी थी, जो अब बढ़कर 82फीसदी हो गई है। भारतीय मौसम विभाग के चीफ मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि इसका सीधा असर मानसून की बारिश पर पड़ेगा। इससे देश में सूखे का खतरा और ज्यादा बढ़ जाएगा। अल-नीनो क्या होता है अल नीनो के कारण समुद्र का पानी असमान्य रूप से गर्म हो जाता है, जिसके साथ हवा के पैटर्न में भी बदलाव आता है। इसके असर से दुनियाभर में बारिश का चक्र बिगड़ जाता है। कहीं भयंकर सूखा तो कहीं मूसलाधार बारिश और बाढ़ आती है। सीधे शब्दों में कहें तो जब अल-नीनो एक्टिव होगा, तब प्रशांत महासागर से भारत की तरफ आने वाली मानसूनी हवाओं को रोक देगा। इससे बारिश पर असर पड़ेगा। अल-नीनो की संभावना 82फीसदी बढ़ी, दुनिया पर असर-नोआ के नए अपडेट के मुताबिक इस साल मई से जुलाई के दौरान सुपर अल नीनो डेवलप होने की 82फीसदी संभावना है। इसके सर्दियों (दिसंबर 2026 से फरवरी 2027) तक जारी रहने की 96फीसदी आशंका है। जबकि, इसके 'स्ट्रॉन्ग' या 'वेरी स्ट्रॉन्ग' रहने की करीब 67फीसदी आशंका है। इससे, कमजोर मानसून, सूखे और हीटवेव की आशंका अब ज्यादा हो गई है। भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया में बारिश कम होती है। भीषण गर्मी पड़ती है। इंडोनेशिया, उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में नमी खत्म होने से सूखा पड़ता है और जंगलों में आग का खतरा बढ़ जाता है। मध्य प्रशांत क्षेत्र में समुद्र का तापमान बढ़ने से भारी बारिश और चक्रवात की स्थिति बनती है।भारत के कौन से इलाके सबसे ज्यादा जोखिम में-उत्तर, पश्चिम और मध्य भारत के हिस्सों में सूखे जैसी स्थिति बनने का सबसे ज्यादा खतरा है, जिससे लंबे सूखे और कृषि नुकसान की आशंका बढ़ सकती है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान अगस्त-सितंबर के दौरान सबसे संवेदनशील राज्यों में माने जा रहे हैं। वहीं मध्य और पश्चिम भारत में जहां अच्छी बारिश होती है वहां भी सामान्य से कम बारिश की संभावना है।

5 दिन में 4 बच्चों को दिया जन्म

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। मुरादाबाद के तीर्थंकर महावीर

यूनिवर्सिटी अस्पताल में एक महिला ने 4 बच्चों को जन्म दिया है। हैरानी की बात तो यह है कि इन चारों बच्चों को महिला ने 5 दिन में जन्म दिया है। पूरे देश में अब इस मामले की चर्चा है और हर कोई हैरान है। कई लोग तो इसे चमत्कार ही बता रहे हैं। इस मामले से पूरी मेडिकल इंडस्ट्री भी हैरान है। इस केस की एक और खास बात यह है कि सभी चार बच्चों की डिलीवरी सामान्य हुई है, जबकि ऐसे मामलों में आमतौर पर सिजेरियन ऑपरेशन की जरूरत पड़ती है। 31 साल की अमीना ने मात्र पांच दिनों में चार बच्चों को जन्म दिया, जिसमें 2 बेटे हैं और दो बेटियां हैं। डॉक्टरों के अनुसार, फिलहाल मां और नवजात सभी सुरक्षित हैं। दूसरे महीने में पचा चला 4 बच्चे हैं- अमीना ओबरी गांव की रहने वाली हैं और उनके पति मोहम्मद आलिम एक किराना स्टोर चलाते हैं। अमीना को प्रेगनेंसी के दूसरे महीने में ही पता चला की उनके पेट में चार बच्चे हैं। दूसरे महीने में डॉक्टरों की सलाह पर जब अल्ट्रासाउंड करवाया गया तभी सब को पता चला की गर्भ में एक या दो नहीं बल्कि चार बच्चे पल रहे हैं।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना बंद करे,तय करे कि दुनिया के नक्शे पर बने रहना है या इतिहास बनना है-सेना प्रमुख

नयी दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ आतंकवाद

फैलाना जारी रखता है, तो उसे खुद तय करना होगा कि वह भविष्य में दुनिया के नक्शे पर बना रहना चाहता है या इतिहास बनना चाहता है। दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित 'सेना संवाद' कार्यक्रम में उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी स्थिति दोबारा बनने के सवाल पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को भारत विरोधी आतंकियों को शरण देना बंद करना होगा। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साफ संदेश दिया कि पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। यह अभियान अंत नहीं, बल्कि शुरुआत थी। भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ता रहेगा। जयपुर में 7 मई को प्रेस कॉन्फ्रेंस में सेना ने बताया, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 100 से ज्यादा जवानों और टेररिस्ट कैंप में 100 से ज्यादा आतंकियों की मौत हुई है। सेना ने कहा- पहलगाम हमले में मारे गए हमारे भाई-बहनों को हम वापस नहीं ला सकते, लेकिन यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि ऐसा हमला दोबारा न हो। हमारा ऑब्जेक्टिव क्लियर था और ऑपरेशन के लिए पूरी छूट दी गई थी। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 8 जनवरी को कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। भविष्य में किसी भी तरह के आतंकी या सैन्य दुस्साहस के लिए हम पूरी तरह तैयार हैं। भारत पूरी ताकत से जवाब देगा। जनरल द्विवेदी ने बताया कि बॉर्डर के पास 8 आतंकी कैंप अभी भी सक्रिय हैं। अगर कोई हरकत होती है तो एक्शन लिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर, थलसेना, वायुसेना और नौसेना के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण है। ऑपरेशन सिंदूर में 100 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 22 नवंबर 2025 को कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर एक भरोसेमंद ऑर्केस्ट्रा की तरह था, जहां हर म्यूजिशियन ने एक साथ मिलकर काम करने वाली भूमिका निभाई। भारतीय सेना ने 22 मिनट में 9 आतंकी जगहों को तबाह कर दिया। जनरल द्विवेदी ने कहा कि पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ हमले किए और उसके बाद भारत के सभी जवाबी हमले भी ऑपरेशन सिंदूर के तहत किए गए। न्यूक्लियर हथियारों से लैस दो पड़ोसियों के बीच करीब 88 घंटे तक चली मिलिट्री लड़ाई 10 मई की शाम को एक समझौते पर पहुंचने के बाद रुक गई।

नीट पेपर लीक केस- 9वीं गिरफ्तारी, पुणे की लेक्चरर अरेस्ट, एनटीए की पेपर सेटिंग कमेटी का हिस्सा थी-छात्रों को बॉटनी-जूलॉजी के कई सवाल बताए

नयी दिल्ली। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सीबीआई ने शनिवार को पुणे की बायोलॉजी लेक्चरर मनीषा गुरुनाथ मांढरे को गिरफ्तार किया है। मांढरे को दिल्ली में सीबीआई हेडक्वार्टर में पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। एजेंसी का दावा है कि मांढरे एनटीए की पेपर सेटिंग कमेटी का हिस्सा थी।मांढरे को पता था कि एग्जाम में कौन से सवाल आएंगे। उसने एग्जाम से पहले अपने पुणे स्थित घर पर स्पेशल कोचिंग क्लास चलाई। वहां छात्रों को बॉटनी और जूलॉजी के सवाल बताए, नोटबुक में लिखवाए और किताबों में मार्क करवाए। ये सवाल 3 मई को परीक्षा में भी आए थे। आरोप है कि मांढरे ने पुणे की ब्यूटीशियन मनीषा वाघमारे के जरिए नीट अभ्यर्थियों को जुटाया था। लीक पेपर देने के बदले छात्रों से लाखों रुपए लिए। मनीषा वाघमारे 14 मई को गिरफ्तार हुई थी। मांढरे की गिरफ्तारी पेपर लीक के मास्टरमाइंड पीवी कुलकर्णी से पूछताछ के आधार पर हुई है। सीबीआई का कहना है कि मनीषा मांढरे के कोचिंग क्लास में बताए गए अधिकांश सवाल 3 मई को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा के प्रश्नपत्र से पूरी तरह मेल खाते थे। पेपर लीक के आरोपों के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई थी। सीबीआई ने शुक्रवार को लातूर के केमिस्ट्री एक्सपर्ट प्रोफेसर पीवी कुलकर्णी को गिरफ्तार किया था। कुलकर्णी कई सालों तक नीट पेपर सेटिंग से जुड़े पैनल का हिस्सा रहे थे। एजेंसी के मुताबिक उन्होंने अप्रैल के आखिरी हफ्ते में अपने घर पर स्पेशल क्लास लेकर छात्रों को वे

सवाल, ऑप्शन और जवाब बताए थे, जो बाद में एग्जाम में आए। अब तक 9 आरोपी गिरफ्तार- सीबीआई ने अब तक इस मामले में दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे और अहिल्यानगर से 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 5 आरोपियों को कोर्ट में पेश कर 7 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। वहीं, गुरुवार को गिरफ्तार दो अन्य आरोपियों को पुणे कोर्ट से ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया गया है। उन्हें दिल्ली की अदालत में पेश किया जा रहा है। पिछले 24 घंटे में सीबीआई ने देशभर में 6 स्थानों पर छापेमारी की। कार्रवाई में कई अहम दस्तावेज, लैपटॉप, बैंक स्टेटमेंट और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। एजेंसी अब इनकी फोरेंसिक और डिजिटल जांच कर रही है। नीट-यूजी परीक्षा 3 मई को देश के 551 शहरों और विदेश के 14 केंद्रों पर आयोजित हुई थी। इसमें करीब 23 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। एनटीए के अनुसार 7 मई की शाम परीक्षा में गड़बड़ी की सूचना मिली थी। इसके बाद मामला केंद्रीय एजेंसियों को सौंपा गया। 12 मई को परीक्षा रद्द की गई और रीएग्जाम का फैसला लिया गया। एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड रितु रेनीवाल और एडवोकेट महेंद्र कुमावत ने याचिका दायर की है। इसमें एक रिट जारी करते हुए केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह एनटीए को भंग कर दे। उसकी जगह संसद द्वारा पारित कानून के माध्यम से नेशनल टेस्टिंग बॉडी बनाई जाए। याचिका में एक ऐसी समिति गठित करने की भी मांग की गई है, जिसकी निगरानी अदालत करे। इस समिति का काम नेशनल लेवल की परीक्षाएं ऑर्गनाइज करने की प्रक्रिया की देखरेख करना और यह सुनिश्चित करना होगा कि परीक्षाओं का कोई पेपर न हो।

मंहगाई की तपिश से जनता झुलसी- ओपी यादव

पांच राज्यों के सरकार के गठन के 72 घंटे बाद मोदी की एडवाइजरी,वोट की हवश से देश में आर्थिक संकट बढ़ा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजवादी नेता ओपी यादव ने शनिवार को कहा कि - ''आँख मूंद लेने से खतरा न जायेगा, वह देखना पड़ेगा, जो देखा न जायेगा। यह कह के भिड़ गये सभागार के किवाड़, बोलेगा जो खिलाफ वह जिन्दा न जायेगा। देश के वर्तमान हालत में यह पंक्तियाँ चरित्रार्थ हो रही है, यह सार्वभौमिक सत्य है कि देश में तेल के कुएँ तो नहीं है, लेकिन यह भी सत्य है कि देश में तेल भंडारण करने की पर्याप्त क्षमता है। प्रधानमंत्री जब इजराईल दौरे से वापस आये तो उन्हें भविष्य में तेल संकट का आभाष हो गया था, लेकिन तेल भंडारण के कोई उपाय नहीं किए, जबकि पड़ोसी देश चीन ने पर्याप्त भंडारण कर लिया। प्रधानमन्त्री को देशवासियों के

के 72 घंटे बाद प्रधानमंत्री ने एडवाइजरी जारी की। देश में आने वाले संकट को लेकर प्रधानमन्त्री की संवेदनहीनता का इसी से पता चलता है कि समस्या को लेकर सर्वदलीय बैठक आज तक नहीं बुलायी गयी। उल्टे विपख द्वारा इस विषय पर उठाये गये सवालों को देशद्राह की संज्ञा दी जाती रही। यही कारण है कि आज देश में मंहगाई की तपिश से आम जनता झुलस रही है। श्री यादव ने सरकार से मांग की दलीय संकीर्ण सोच से ऊपर उठकर सर्वदलीय बैठक बुलाकर देश में आये आर्थिक संकट से उबरने के ठोस कारगर उपाय किए जाय।

सामने आने वाली समस्याओं की चिंता नहीं थी बल्कि पांच राज्यों के चुनाव में वोट की हवश हावी थी, यही कारण था कि युद्ध के 72 दिनों बाद तक प्रधानमंत्री खामोश रहे। सरकारों के गठन में वायु सेना के जहाजों द्वारा फूल की वर्षा कराके जश्न मनाने

यूपी के रीलबाज पुलिस अफसर-जवान नपेंगे,एसटीएफ चीफ अमिताभ यश बोले- इमेज खराब हो रही-हर महीने रिपोर्ट दें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। यूपी में पुलिस के अफसर और जवान लगातार सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं। बड़े अफसरों की बार-बार साथ-साथ उस आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट का स्क्रीनशॉट और उसका यूआरएल (वेब लिंक) भी अपने रिकॉर्ड के तौर पर सुरक्षित रखना होगा। की रीलबाजी कर रहे हैं, उन पर भी अंकुश लगाएं। पुलिसिंग एक तपस्या है। विक्रम सिंह कहते हैं कि पुलिस एक अनुशासित विभाग है। सोशल मीडिया के बारे में

चेतावनी के बावजूद उनकी रीलबाजी थम नहीं रही है। मुजफ्फरनगर में अभी 4 दिन पहले ही रील बनाने के आरोप में एक दरोगा और कॉन्स्टेबल को सस्पेंड कर दिया गया। इसके बाद शनिवार को एसटीएफ चीफ और अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने सख्त आदेश जारी किया। उन्होंने साफ कहा है कि रीलबाज पुलिस अफसर और जवानों को बख्शा नहीं जाएगा। सोशल मीडिया पॉलिसी का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई होगी। आदेश में कहा गया है- यूपी पुलिस के लिए 8 फरवरी, 2023 को 'सोशल मीडिया पॉलिसी' जारी की गई थी। इसके बावजूद सेवारत (सर्विस में मौजूद) और ट्रेनी (प्रशिक्षु) पुलिसकर्मी लगातार नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। वे सोशल मीडिया पर रील्स और अन्य माध्यमों से आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट कर रहे हैं। इससे न केवल उनका सरकारी काम प्रभावित हो रहा, पुलिस की गरिमा और छवि को भी गहरा धक्का लग रहा है। आदेश की 3 बड़ी बातें- 1. पहचान कर तुरंत कार्रवाई होगीः सभी जिलों को आदेश दिया गया है कि वे अपने ऐसे पुलिसकर्मियों की पहचान करें, जो सोशल मीडिया पॉलिसी का उल्लंघन कर रहे हैं। उनके खिलाफ तुरंत विभागीय एक्शन लें। 2. हर महीने देना होगा हिसाबः सोशल मीडिया पॉलिसी का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की रिपोर्ट हर महीने पुलिस मुख्यालय को भेजनी होगी। 3. यूआरएल के साथ रखा जाएगा पूरा रिकॉर्डः पुलिस मुख्यालय को रिपोर्ट भेजने के जिससे सबूत पक्का रहे। अब समझिए क्यों जारी करना पड़ा यह आदेश-वायरल रील्स में सिंघम बनने की होड़- सोशल मीडिया पर नए सिपाहियों की रील्स में ज्यादातर युवा फिल्मी गानों पर लिप्सिंग करते, डायलॉग्स बोलते या ट्रेनिंग के दौरान ड्रिल्स को ड्रामेटिक अंदाज में पेश करते दिख रहे हैं। कई सिपाहियों ने अपने यूजरनेम में कोप या यूपी पुलिस जोड़ लिया है। अपनी प्रोफाइल को सिंघम या सूर्या जैसे किरदारों से प्रेरित बॉयो से सजा लिया है। कुछ रील्स में तो नए सिपाही लोहे के बॉक्स पर पुलिस लिखवाकर गांव में जुलूस निकालते या ट्रेनिंग सेंटर जाते समय भावुक विदाई के सीन दिखाते नजर आ रहे हैं। नए सिपाही सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव-साल- 2025 में यूपी पुलिस ने करीब 60 हजार सिपाहियों की भर्ती की थी। इसमें ज्यादातर 18 से 25 साल के महिला-पुरुष शामिल थे। ये युवा न केवल शारीरिक और लिखित परीक्षा में कुशल साबित हुए, बल्कि सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय हैं।उनकी प्रोफाइल्स में वर्दी की तस्वीरें, ट्रेनिंग सेंटर के वीडियो और 'सपने वो नहीं जो सोते वक्त देखे जाते हैं, सपने वो हैं जो आपको सोने न दें' जैसे प्रेरणादायक कोट्स आम हैं। कुछ ने अपने बॉयो में यूपी पुलिस, सर्विंग थे नेशन जैसी लाइनें भी जोड़ दी हैं। पुलिसिंग को होता है नुकसान- रील्स को लेकर पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह कहते हैं- अगर यही ट्रेंड रहा तो आने वाले दिनों में पूरी पुलिसिंग को बड़ा नुकसान होगा। जिम्मेदार अफसरों को चाहिए कि न सिर्फ नए आने वाले रंगरूटों को इसके नुकसान के बारे में बताएं, बल्कि जो लोग फोर्स में रह कर इस तरह सजग जरूर रहें, उसकी आदत न बनाएं। जिन्हें पुलिसिंग का शौक है, वो रीलबाजी में कभी नहीं पड़ेंगे। वर्दी का इस्तेमाल सोशल मीडिया पर पहले से ही वर्जित है। इसका पालन जिलों के कप्तानों को भी कराना चाहिए। जो भी सोशल मीडिया पर इस तरह की वीडियो बनाकर डाल रहे हैं, ये असभ्य प्रतिक्रिया है। ऐसा नहीं करना चाहिए। रील बनाने में सस्पेंड हो चुके हैं कई पुलिस वाले-सोशल मीडिया गाइडलाइन का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों पर विभाग लगातार कार्रवाई भी करता रहा है। फिरोजाबाद में सिपाही सचिन गौतम को वर्दी में रील बनाने के आरोप में सस्पेंड किया गया था। इसी तरह औरैया में तैनात एक सिपाही का सरकारी बाइक के साथ वर्दी में रील बनाते वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में वह कभी थाने के अंदर बुलेट चलाता दिखा, तो कभी मॉडलिंग स्टाइल में रील बनाता नजर आया। मामले में उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की गई थी। गाजियाबाद के अंकुर विहार थाना में तैनात दो ट्रेनी सब-इंस्पेक्टर ने एक युवक के साथ रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी थी। मामला सामने आने के बाद दोनों पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया, जबकि युवक को गिरफ्तार किया गया था। पुलिसकर्मियों की सोशल मीडिया कमाई पर भी रोक-सोशल मीडिया पर कई पुलिसकर्मियों की फैन फॉलोइंग और फॉलोअर्स लाखों में हैं। लेकिन, पुलिस आचरण नियमावली के तहत वे किसी अन्य माध्यम से कमाई नहीं कर सकते। ऐसे में रील, प्रमोशन या सोशल मीडिया एक्टिविटी के जरिए सीधे अपने खाते में पैसा लेना नियमों के खिलाफ माना जाता है।

आंधी-बारिश के बाद विद्युत व्यवस्था बहाली का कार्य युद्धस्तर पर जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अधिशासी अभियन्ता

विद्युत वितरण खण्ड रॉबर्ट्सगंज ने बताया कि जनपद में बीते दिनों आई तेज आंधी एवं हल्की बारिश के कारण कई स्थानों पर विद्युत लाइनें, तार एवं पोल क्षतिग्रस्त हो गए थे। विद्युत विभाग द्वारा जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए क्षतिग्रस्त विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने का कार्य युद्धस्तर पर कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी लगातार फील्ड में रहकर दिन-रात मरम्मत कार्य में जुटे हुए हैं। शहरी क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति पूर्ण रूप से बहाल कर दी गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 90 प्रतिशत विद्युत आपूर्ति सुचारु कर दी गई है। शेष प्रभावित क्षेत्रों में टूटे हुए खम्भों को बदलने, तार जोड़ने एवं अन्य तकनीकी कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। शीघ्र ही सभी क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी। अधिशासी अभियन्ता ने जनमानस से अपील करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में धैर्य एवं सहयोग बनाए रखें। विद्युत विभाग पूरी तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। साथ ही उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि टूटे हुए विद्युत तारों, पोलों एवं अन्य विद्युत उपकरणों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल विभाग को दें, ताकि संभावित दुर्घटनाओं से बचा जा सके। विद्युत विभाग ने आमजन को हो रही असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया है कि जल्द ही शेष क्षेत्रों में भी विद्युत आपूर्ति पूर्ण रूप से बहाल कर दी जाएगी।

जर्मनी में नर्सिंग क्षेत्र में भर्ती हेतु अनुभवी कुशल अभ्यर्थी करें ऑनलाइन आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला सेवायोजन अधिकारी रायबरेली तनुजा यादव ने बताया है कि सेवायोजन निदेशालय के माध्यम से Fairstreet Aggregato द्वारा जर्मनी मे नर्सिंग क्षेत्र में Bsc. Nursing/GNM योग्यता प्राप्त व फ्रेशर एवं अनुभवी कुशल अभ्यर्थियों की भर्ती की जा रही है जिसके लिए इच्छुक अभ्यर्थियों द्वारा https://rojgaarsangam.up.gov.in पोर्टल पर पंजीयन कराकर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है, जिसके लिए आयु सीमा 20-35 वर्ष निर्धारित की गयी है। कार्य क्षेत्र जर्मनी होने के कारण जर्मन भाषा का ज्ञान होना आवश्यक है, जिस हेतु जर्मन भाषा का निःशुल्क प्रशिक्षण क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, लखनऊ द्वारा प्रदान किया जाएगा। भर्ती से संबंधित नियम व शर्तें पोर्टल पर उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नं0 155330 पर सम्पर्क करें।

मा0 उद्यान मंत्री ने प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों को राहत सहायता राशि की वितरित

आपदा प्रभावित व्यक्तियों को राहत सहायता राशि समय से उपलब्ध कराई जाए - दिनेश प्रताप सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान,

कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात, उत्तर प्रदेश सरकार दिनेश प्रताप सिंह द्वारा आज विकासखंड खीरों के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में दिनांक 13 मई 2026 को हुई बेमौसम भारी वर्षा, आंधी एवं तूफान से प्रभावित तहसील लालगंज क्षेत्र के लोगों को राहत सहायता राशि वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान प्राकृतिक आपदा से प्रभावित 11 व्यक्तियों एवं परिवारों को जनहानि, पशुहानि, मकान क्षति तथा घायल होने की घटनाओं के संबंध में शासन द्वारा अनुमन्य राहत सहायक राशि वितरित की गई एवं दैवीय आपदा से प्रभावित 02 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री आवास का प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर मा0 उद्यानमंत्री जी ने प्रभावित परिवारों से भेंट कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित नागरिकों के साथ पूरी संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है तथा राहत एवं पुनर्वास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर संचालित को त्वरित एवं पारदर्शी ढंग से राहत सहायता उपलब्ध कराई जाए, जिससे प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता मिल सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित सभी पात्र व्यक्तियों को शासन द्वारा निर्धारित राहत सहायता राशि समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाए तथा राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए रखी जाए तथा आपदा से प्रभावित लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, किसानों एवं ग्रामीणों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने हेतु प्रशासन सतर्क एवं सक्रिय रहे। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह, उपजिलाधिकारी लालगंज राजेश श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रहित सर्वोपरिः- शासन-प्रशासन एवं सर्राफा व्यापारियों के मध्य बचत भवन में सम्पन्न हुई महत्वपूर्ण बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शविवार को स्थानीय बचत भवन सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती सरनीत कौर ब्रोका, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार

एवं क्षेत्राधिकारी नगर अरुण कुमार की उपस्थिति में जनपद के सर्राफा व्यवसायियों के साथ एक महत्वपूर्ण एवं आपात बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का उद्देश्य हाल ही में देश के प्रधानमंत्री एवं उ0प्र0 के मुख्यमन्त्री द्वारा देशहित एवं राष्ट्रीय आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए आमजन से अनावश्यक रूप से सोना क्रय न करने के आह्वान के संदर्भ में व्यापारियों की समस्याओं एवं सुझावों को सुनना था। बैठक में उपस्थित सर्राफा व्यवसायियों एवं व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों ने क्रमवार अपनी बात रखते हुए वर्तमान परिस्थितियों से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं एवं व्यापारिक चिंताओं से प्रशासन को अवगत कराया। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सभी बिंदुओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना गया तथा व्यापारियों को आश्वस्त किया गया कि किसी प्रकार की घबराहट अथवा पैनिक की आवश्यकता नहीं है। राष्ट्रहित सर्वोपरि है तथा शासन-प्रशासन व्यापारियों के साथ पूर्ण समन्वय एवं सहयोग की भावना से कार्य कर रहा है। बैठक में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी व्यापारियों से धैर्य, संयम एवं सकारात्मक सहयोग बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि वर्तमान समय में राष्ट्रीय हित एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता देना हम सभी का कर्तव्य है। इस अवसर पर उ0प्र0 उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश रस्तोगी ने व्यापारियों की ओर से प्रशासन के समक्ष विभिन्न समस्याओं को विस्तारपूर्वक रखा तथा शासन-प्रशासन द्वारा व्यापारियों के साथ संवाद एवं सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाए जाने की सराहना की। श्री रस्तोगी ने कहा कि व्यापारी समाज सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानता आया है। वर्तमान परिस्थितियों में शासन एवं प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करना हम सभी की नैतिक एवं राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रशासन व्यापारियों की व्यावहारिक समस्याओं के समाधान हेतु सकारात्मक कदम उठाएगा तथा व्यापारी वर्ग भी राष्ट्रहित एवं सामाजिक संतुलन बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। स्वर्णकार कल्याण समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार सोनी ने अपने वक्तव्य में कहा कि स्वर्णकार एवं सर्राफा व्यापारी समाज हमेशा से राष्ट्र एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करता आया है। वर्तमान परिस्थितियों में हम सभी व्यापारी शासन एवं प्रशासन के साथ पूर्ण सहयोग की भावना से कार्य करेंगे। व्यापारी वर्ग राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए संयम, धैर्य एवं सकारात्मक सोच के साथ कार्य करता रहेगा, हमें विश्वास है कि शासन-प्रशासन व्यापारियों की समस्याओं एवं व्यावहारिक कठिनाइयों के समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाएगा। स्वर्णकार कल्याण समिति के संरक्षक एवं वरिष्ठ व्यापारी नेता चंद्रिका प्रसाद वर्मा 'भुन्दल' ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में व्यापारी समाज को धैर्य एवं समझदारी के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सर्राफा व्यापारी सदैव राष्ट्रहित एवं सामाजिक संतुलन को प्राथमिकता देते आए हैं तथा शासन-प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशासन व्यापारियों की समस्याओं के समाधान हेतु सकारात्मक पहल करेगा। बैठक में स्वर्णकार कल्याण समिति के महामंत्री अमोल सावंत, कोषाध्यक्ष श्रवण कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष उमेश कुमार वर्मा, संरक्षक बैजनाथ वर्मा, चंद्रिका प्रसाद वर्मा (भुन्दल), पुरूषोत्तम गुप्ता, विजय वर्मा, उमेश वर्मा, महेश कौशल, युवा जिलाध्यक्ष सत्यांशु दुबे सहित समिति के अनेक सम्मानित सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम-एसपी ने तहसील महराजगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याएं,76 शिकायतें आयी, 08 का मौके पर हुआ निस्तारण

शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण से निस्तारण कराए अधिकारी-डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को

जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में तहसील महराजगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके क्रम में तहसील व थानों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील महराजगंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग 26, पुलिस विभाग 21, विकास विभाग 06 व अन्य विभाग 23 कुल 76 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 08 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित कराए। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने भी पुलिस से संबंधित मामलों को सुना और संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी महराजगंज चन्द्र प्रकाश गौतम, क्षेत्राधिकारी महराजगंज प्रदीप कुमार, तहसीलदार महराजगंज मंजुला मिश्रा सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

15वें वित्त आयोग हेल्थ ग्रान्ट से जनपद में स्वास्थ्य सुविधाओं को मिलेगा नया विस्तार

24 नये उपकेन्द्रों एवं 07 बी0पी0एच0यू0 निर्माण कार्यों को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं

प्रभावी बनाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को 15वें वित्त आयोग हेल्थ ग्रान्ट सेक्टर अन्तर्गत प्रस्तावित 24 नये स्वास्थ्य उपकेन्द्रों एवं 07 बी0पी0एच0यू0 (ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट) के निर्माण कार्यों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में बैठक की गयी। बैठक में स्वास्थ्य विभाग एवं सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं, भूमि की उपलब्धता, तकनीकी स्वीकृतियों तथा निर्माण कार्य प्रारम्भ कराने की कार्ययोजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गयी। जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनहित से जुड़ी परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि इन स्वास्थ्य उपकेन्द्रों एवं बी0पी0एच0यू0 के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बेहतर होगी तथा आमजन को स्थानीय स्तर पर बेहतर उपचार सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी। साथ ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने को कहा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, मुख्य चिकित्साधिकारी पीके राय, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, सम्बन्धित निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आईएमएस लॉ कॉलेज में मॉडल यूनाइटेड नेशन कॉन्फ्रेंस का समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आईएमएस लॉ कॉलेज

नोएडा में मॉडल यूनाइटेड नेशन कॉन्फ्रेंस के दूसरे संस्करण का समापन हुआ। सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में 7 कमेटी ने 7 अलग-अलग मुद्दों पर 180 प्रतिभागियों ने अपना विचार प्रकट किया। वहीं आज सम्मेलन के समापन सत्र में आईएमएस नोएडा के प्रसिडेंट राजीव कुमार गुप्ता ने संदेश देते हुए कहा कि मॉडल यूनाइटेड नेशन कॉन्फ्रेंस केवल वाद-विवाद का मंच नहीं है, बल्कि यह युवाओं में नेतृत्व क्षमता, तार्किक सोच, वैश्विक दृष्टिकोण और लोकतांत्रिक मूल्यों को विकसित करने का सशक्त माध्यम है।आईएमएस लॉ कॉलेज सदैव विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक एवं वैश्विक अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। आईएमएस लॉ कॉलेज द्वारा आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशन कॉन्फ्रेंस के संयोजक डॉ. गोविंद प्रसाद गोयल ने बताया कि इस दो दिवसीय सम्मेलन में लोकसभा,ऑल इंडिया पोलिटिकल पार्टी मीट, संयुक्त राष्ट्र महासभा, इंटरनेशनल फुटबॉल ट्रांसफर फोरम, संयुक्त राष्ट्र महिला स्थिति आयोग, इंटरनेशनल प्रेस एवं आईपीएल जैसी सात कमिटी बनाई गई। जिसके अंतर्गत जातिगत जनगणना पर विशेष जोर देते हुए जाति आधारित आरक्षण पर चर्चा, धर्मनिरपेक्षता पर विशेष जोर देते हुए वक्फ संशोधन अधिनियम (2025) पर चर्चा, इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष के क्षेत्रीय स्थिरता पर प्रभाव पर चर्चा, वैश्विक फुटबॉल ट्रांसफर मार्केट में रणनीतिक प्रबंधन एवं वार्ता, फोटोग्राफी एवं पत्रकारिता, आईपीएल नीलामी प्रक्रिया एवं विश्व स्तर पर बढ़ते एंटी-फेमिनिस्ट उग्रवाद पर विचार-विमर्श : संघर्षग्रस्त देशों में लैंगिक नैरेटिव्स का राजनीतिक हथियार के रूप में उपयोग पर चर्चा की गई। वहीं इस दो दिवसीय सम्मेलन के विजेताओं के नाम की घोषणा सोमवार को की जाएगी।

झाँसी आगमन पर लायन सुधीर सेठ का भव्य स्वागत, विभिन्न संस्थाओं ने किया सम्मान

मंडलाध्यक्ष द्वितीय बनने के बाद झांसी पहुंचे लायन सुधीर सेठ, विभिन्न संस्थाओं ने किया भव्य स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) झाँसी। लायंस इंटरनेशनल मंडल 321-बी2 के नवनिर्वाचित मंडलाध्यक्ष द्वितीय लायन सुधीर

सेठ के झांसी आगमन पर के-3 होटल में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उनके शुभचिंतकों एवं विभिन्न सामाजिक, व्यापारिक संस्थाओं द्वारा माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में झांसी थोक वस्त्र व्यापार मंडल, मॉर्निंग स्टार सहित अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने लायन सुधीर सेठ को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। उपस्थित लोगों ने कहा कि उनके नेतृत्व में समाजसेवा के कार्यों को नई गति मिलेगी। समारोह के दौरान लायन कल्पना पाण्डेय, पीडीजी लायन नवीन गुप्ता, लायन संजय सिंह, लायन देवेंद्र गुप्ता, लायन श्रीकांत तिवारी, लायन मुकेश गोयल, लायन अनिल गोयल, लायन सुरजीत भुसारी, लायन अरविंद गुप्ता, लायन विजय शुक्ला, लायन राजीव नगरिया, लायन रविकांत गुप्ता, लायन अजय गुप्ता, लायन पवन महलोत्रा, लायन परमजीत सिंह भुसारी, संजय चड्ढा, संजय पाल, हरवर्धन सेठ, बलवीर सलूजा, राकेश सिजरिया, अशोक मोदी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अलावा मंडल सचिव लायन राकेश गुप्ता ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले ओमप्रकाश सेठ, सीए जे.पी. गुप्ता, आलोक गुप्ता, पिंटू गुप्ता एवं अन्य सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लायंस क्लब पदाधिकारी, व्यापारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा नेता समेत दो की मौत का राज खुला, टोल प्लाजा के सीसीटीवी में कैद हुई स्कॉर्पियो ट्रेस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना

क्षेत्र में हुए चर्चित सड़क हादसे में भाजपा नेता सहित दो लोगों की मौत के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जांच के दौरान टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज में हादसे के बाद गुजरती संदिग्ध सफेद स्कॉर्पियो नजर आई, जिसके आधार पर पुलिस ने वाहन को ट्रेस कर लिया। अब वाहन मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि 10 मई को सुबह ब्यौहारी क्षेत्र में सड़क किनारे भाजपा नेता राहुल द्विवेदी और अतुल तिवारी के शव मिले थे। दोनों बाइक से एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद घर जा रहे थे और आशंका जताई गई थी कि किसी अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया था। परिजनों और ग्रामीणों ने टिहकी में चक्का जाम कर हत्या की आशंका जताई थी। विरोध के बाद दोनों शवों का दोबारा पीएम मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम कराया गया था। हादसे के बाद ब्यौहारी पुलिस लगातार जांच में जुटी रही। पुलिस ने रीवा से शहडोल तक स्थित टोल नाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसके आधार पर संदिग्ध वाहन की पहचान सफेद स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी-04,एलएफ-3043 के रूप में हुई। फुटेज में वाहन हादसे के समय गुजरता दिखाई दिया था। वाहन नंबर के आधार पर पुलिस छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले तक पहुंची, जहां स्कॉर्पियो वाहन ट्रेस हुई है। जांच में वाहन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त मिला, जिससे हादसे की पुष्टि हुई।

थाना प्रभारी जिया उल हक ने बताया कि वाहन मालिक ने पूछताछ में कहा है कि वह परिवार के साथ इलाहाबाद से छत्तीसगढ़ लौट रहा था, तभी अचानक बाइक सवार वाहन के सामने आ गए और दुर्घटना हो गई। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

अवैध अंग्रेजी शराब पैकारी का खेल जारी जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

ब्यौहारी क्षेत्र में इन दिनों अवैध अंग्रेजी शराब की पैकारी का

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)म.प्र/शहडोल। कारोबार

तेजी से फल-फूल रहा है। गांवों, कस्बों और मुख्य मार्गों के आसपास खुलेआम अवैध रूप से शराब बेचे जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शराब माफिया नियमों को ताक पर रखकर बिना किसी भय के अवैध शराब की सप्लाई कर रहे हैं, लेकिन संबंधित विभाग और प्रशासन इस ओर गंभीरता नहीं दिखा रहा है। गांव गांव मे आसानी से पहुंची रही शराब की खेप-ग्रामीण क्षेत्रों में देर शाम से लेकर रात तक अवैध शराब की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है। कई जगहों पर किराना दुकानों, ढाबों और गुप्त ठिकानों से अंग्रेजी शराब बेची जा रही है। बताया जा रहा है कि शराब कारोबारी निर्धारित दुकानों से शराब लाकर गांवों में अधिक कीमत पर बेच रहे हैं, जिससे अवैध कमाई का बड़ा नेटवर्क तैयार हो गया है। शासन को हो रही राजस्व की हानि- सूत्रों के अनुसार अंग्रेजी शराब की अवैध पैकारी के कारण शासन को राजस्व की भी भारी क्षति हो रही है। वहीं बिना अनुमति के शराब का भंडारण और बिक्री कानून व्यवस्था के लिए भी चुनौती बनती जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा इसमें संलिप्त लोगों पर कठोर कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया जाए।क्या इस खेल में लगेगा रोक-गीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस अवैध कारोबार में रोक नहीं लगाई गई तो आने वाले समय में सामाजिक वातावरण और अधिक खराब हो सकता है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन अवैध शराब पैकारी के इस बढ़ते बार बार पर कब तक प्रभावी अंकुश लगा पाता है।

लखनऊ में कोर्ट के बाहर चैंबर पर बुलडोजर चलता देख भड़के वकील,हुआ पथराव-पुलिस ने खदेड़ा

लखनऊ। लखनऊ जिला कोर्ट के बाहर रविवार दोपहर हंगामा हो गया। बुलडोजर से चैंबर तोड़े जाने के विरोध में वकील भड़क गए। कई वकील बुलडोजर के सामने खड़े हो गए। पुलिस अफसरों ने हटाने की कोशिश की तो मामला बिगड़

गया। बहस बढ़ी तो पुलिस ने वकीलों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर लाठियां बरसाईं। इस दौरान भीड़ में भागते हुए कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। पुलिसकर्मी भी पत्थर उठाते नजर आए। दरअसल, हाईकोर्ट ने जिला कोर्ट के बाहर अतिक्रमण को हटाने का आदेश दिया था। नगर निगम ने 240 अवैध निर्माण चिह्नित किए। इसमें ज्यादातर

वकीलों के चैंबर और दुकानें हैं। रविवार सुबह 9 बजे नगर निगम की टीम 10 बुलडोजर लेकर 300 पुलिसवालों के साथ पहुंच गई। तब से कार्रवाई चल रही है। बीच-बीच में विरोध के चलते कार्रवाई रुक जा रही है। नगर निगम की टीम चैंबर में लगीं चटाइयां और कुर्सियां को गाड़ियों में भरकर ले गई। कार्रवाई के दौरान ही एक वकील ने चैंबर बंद कर फांसी लगाने की कोशिश की। पुलिसकर्मियों ने बगल का चैंबर तोड़कर उसे बाहर निकाला। एक अन्य वकील पुलिस के सामने हाथ जोड़कर चैंबर न तोड़ने की गुहार लगाता रहा। उसने कहा- 36 साल से मेरा यही चैंबर है। यह अवैध नहीं है। अगर मेरे चैंबर पर बुलडोजर चला तो मैं जिंदा नहीं रहूंगा। फिलहाल, मौके पर तनावपूर्ण स्थिति है। 4 एसीपी, पीएसी और 10 थानों की फोर्स मौके पर तैनात है। तोड़े गए चैंबर, दुकान व अन्य अतिक्रमण का मलबा फैला है। काफी मलबा नगर निगम के डंपर में भरकर ले जाया गया। कुछ मलबा कबाड़ियों को बुलाकर बेचा जा रहा है।

उद्योग व्यापार संगठन अधीक्षण अभियंता ज्ञानेंद्र सिंह से मिलकर विद्युत आपूर्ति संबंधित समस्याओं से अवगत कराया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र का एक प्रतिनिधिमंडल अधीक्षण अभियंता ज्ञानेंद्र सिंह से मिलकर विद्युत आपूर्ति संबंधित समस्याओं से अवगत कराया एवं मांग पत्र देकर अनुरोध किया कि शीघ्र जनता की समस्याओं का निराकरण किया जाए। विषय की गंभीरता को देखते हुए कुछ प्रकरणों को तत्काल मौके पर ही निराकरण किया गया। संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि की नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के व्यापारी गण एवं आम जनमानस विद्युत आपूर्ति व्यवस्था से अत्यंत त्रस्त हैं भीषण गर्मी के इस दौर में बिजली बाधित होने से कोढ़ में खाज का काम कर रहा है जिसके कारण पेयजल संकट ,व्यापारिक नुकसान, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की खराबी तथा आम नागरिकों की दैनिक व्यवस्था अर्थव्यवस्था हो गई है सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि संबंधित अधिकारी एवं जिम्मेदार कर्मचारी जनता एवं व्यापारियों के फोन तक उठाना उचित नहीं समझ रहे यह स्थिति विभागीय संवेदनहीनता एवं लापरवाही को

प्रदर्शित करती है। जिससे आम जनता में भारी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि मुख्यालय से सटे गांव पेटराहीं परासी, निपराज, रघुनाथपुर, लसड़ा, ककारी बेठगांव, श्रीपालपुर तरावां, बड़कागांव, गेंगुवार, बिच्छी आदि गांवों में अभी तक विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। घोरावल ब्लॉक में भी तमाम गांवों की विद्युत आपूर्ति अभी तक बहाल नहीं हो सकी है। नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में तकनीकी टीम भेज कर तत्काल फॉल्ट दूर कराया जाए । उन्होंने कहा कि बिना पूर्व सूचना के कई बार घंटों बिजली बाधित रहती है जिससे मरीज ,व्यापारी, शिक्षा, एवं घरेलू कार्य प्रभावित होते हैं उन्होंने अभी कहा कि रात में बिजली बाधित होने पर सुरक्षा एवं पेयजल जैसी समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष राजू जायसवाल ने कहा कि अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए एवं विद्युत व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग हेतु प्रशासन विद्युत विभाग एवं व्यापारी संगठनों की संयुक्त बैठक प्रतिमाह कराई जाए। सिद्धार्थ सांवरिया ,टीपू अली, विनय जायसवाल ने कहा कि खराब ट्रांसफार्मरों को 24 घंटे के अंदर बदलने की अनिवार्य व्यवस्था लागू की जाए। और लो वोल्टेज की समस्या को तत्काल दूर किया जाए। दिनेश सिंह, अभिषेक साहू, प्रतीक केसरी ने कहा कि नगर में स्थित विद्युत पोल एवं जर्जर तार जो बहुत नीचे तक लटक रहे हैं बड़े हादसे का सबब है उसे तत्काल ठीक कराया जाए अन्यथा कोई भीषण दुर्घटना हो सकती है पूर्व में दरोगा जी की गली में तारों में आग लग जाने के कारण भारी क्षति हुई थी। उन्होंने अपने संयुक्त बयान में यह भी कहा कि पूर्व में खेतों में लंबे लटकते तार टूट जाने के कारण कई जगहों पर धान एवं गेहूं की फसल नष्ट हो चुकी हैं। ज्ञापन देने वाले प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से कौशल शर्मा ,प्रशांत जैन, राजू जायसवाल, सिद्धार्थ सांवरिया, टीपू अली, विनय जायसवाल, दिनेश सिंह, प्रतीक केसरी अभिषेक साहू आदि लोगों उपस्थित रहे।

पेट्रोल-डीजल मूल्य वृद्धि पर

केंद्र सरकार पर बरसे भाकपा नेता आर के शर्मा, कहा कि 'आपदा में अवसर की तलाश करने वाली बीजेपी सरकार देश की जनता को 'महंगाई के कुएं में धकेलती जा रही है'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के राज्य कार्यकारिणी सदस्य व सोनभद्र के जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन रुपये से अधिक की बढ़ोतरी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आपदा में अवसर की तलाश करते वाली केंद्र की मोदी सरकार पूरी तरह विफल है और देश की जनता को मंहगाई के गहरे कुएं में धकेलती जा रही है। आगे कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता का जीवन संकट में पड़ गया है, लेकिन सत्ता पर आसीन बीजेपी नेतृत्व की मोदी सरकार जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनहीन बनी हुई है। सीपीआई नेता कामरेड आर के शर्मा ने आरोप लगाया कि पिछले दो महीनों से देश के प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व पांच राज्यों के चुनाव प्रचार में व्यस्त रहे, जबकि देश की

आर्थिक और विदेश नीति से जुड़े गंभीर मुद्दों की अनदेखी की जाती रही। उन्होंने कहा कि तेल के वर्चस्व को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है, जिसका असर वैश्विक बाजार पर पड़ रहा है उसके बावजूद अन्य देशों में स्थिति सामान्य है । जर्मनी, आस्ट्रेलिया , नेपाल जैसे अन्य और देशों में पेट्रोल, डीजल के दामों को घटा दिया गया और वहां की जनता पर किसी भी प्रकार के अतिरिक्त बोझ का दबाव नहीं पड़ा है। सीपीआई नेता ने कहा कि भारत पहले रूस से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और पेट्रोलियम पदार्थों की खरीद करता था, लेकिन अमेरिका के दबाव के कारण केंद्र की मोदी सरकार ने रूस से तेल आयात कम कर दिया। इसके चलते भारत अन्य देशों पर निर्भर हो गया जिसके चलते भारत देश में तेल संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई , जो मोदी सरकार की विदेश नीति की विफलताओं को दर्शाता है।कामरेड शर्मा ने कहा कि इसी का परिणाम है कि आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि कर आम जनता पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी कर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को फिर से लकड़ी और चूल्हे पर खाना बनाने के लिए मजबूर कर दिया गया। उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों को जनविरोधी बताते हुए कहा कि पेट्रोलियम एवं वित्त मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देना चाहिए तथा प्रधानमंत्री को देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

कर्मचारियों के लम्बित मानदेय के भुगतान हेतु सीएमओ सोनभद्र के नामित पत्र सौंपा गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कर्मचारियों के लम्बित मानदेय के भुगतान कराये जाने के सम्बन्ध में प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर दिनांक 11-5-26 को कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी सोनभद्र के नामित पत्र सौपा गया। अवगत कराना है कि उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत कार्यरत संविदा कर्मचारियों को मार्च 2026 एवं अप्रैल 2026 का मानदेय अभी तक प्राप्त नहीं हो पाया है, जबकि जनपद सोनभद्र मे मार्च 2026 तक का मानदेय प्राप्त हो चुका है तथा माह अप्रैल का मानदेय लंबित है जिससे कर्मचारियों एवं उन पर आश्रित परिवारजनों को गम्भीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।वर्तमान समय में विद्यालयों का नया शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ हो चुका है, जिसके चलते कर्मचारियों को अपने बच्चों का शुल्क, पुस्तकें एवं अन्य शैक्षणिक व्यवस्थाओं के साथ-साथ दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु धन की अत्यंत आवश्यकता है। किन्तु खेद का विषय है कि इस गम्भीर समस्या के प्रति अभी तक कोई अपेक्षित कार्यवाही प्रदर्शित नहीं हो रही हैं। उक्त परिस्थितियों में कर्मचारियों के समक्ष आजीविका का संकट उत्पन्न हो गया है, जिससे प्रदेश भर के कर्मचारियों में गहरा असंतोष व्याप्त है। अतः आपसे अनुरोध है कि कृपया कर्मचारियों की उक्त समस्या का संज्ञान लेते हुये समस्त एनएचएम संविदा कर्मचारियों का लम्बित मानदेय शीघ्र भुगतान सुनिश्चित कराने उचित कार्यवाही करने की कृपा करें। अन्यथा, यदि दिनांक 20 मई 2026 तक कर्मचारियों को 2 माह का लम्बित मानदेय प्राप्त नहीं होता है, तो 30प्र0राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ (रजि0) द्वारा प्रांतीय कार्यकारिणी के आवाह्न पर जनपद के समस्त कर्मचारियों के साथ दिनांक 18-5-26 से 20-05-26 तक काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया जायेगा तथा 21 मई 2026 से No Pay No Work की नीति अपनाते हुये कार्य बहिष्कार / बन्द कर दिया जायेगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। संगठन का पुनः अनुरोध है कि कृपया कर्मचारियों की इस गम्भीर समस्या का शीघ्र समाधान कराकर सम्भावित आन्दोलन की स्थिति से बचाने का कष्ट करें।

'सीएम-युवा' से युवाओं के सपनों को मिल रही 'उड़ान',मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना से अब तक सोनभद्र के 1743 युवाओं का संवरा भविष्य

सरकार उपलब्ध करा रही ब्याजमुक्त ऋण, युवा बन रहे आत्मनिर्भर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' (सीएम-युवा) योजना जिले में युवाओं के सपनों को नई उड़ान दे रही है। नौकरी की कतार में खड़े रहने के बजाय युवा अब खुद का कारोबार शुरू कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं और दूसरों को रोजगार भी दे रहे हैं। इस योजना से अभी तक जिले के 1743 युवा लाभान्वित हो चुके हैं। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि यह योजना युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। बताया कि इस योजना के तहत अब तक जिले के 1743 युवाओं को बिना गारंटी और 100 फीसदी ब्याज मुक्त ऋण देकर आत्मनिर्भर बनाया गया है। वित्त वर्ष 2025-26 में 1366 युवा लाभान्वित हुए जबकि चालू वित्त वर्ष में 77 युवाओं को लाभान्वित किया जा चुका है। आत्मनिर्भर प्रीति अब दे रहीं दूसरों को रोजगार-सीएम युवा योजना से आत्मनिर्भर बनने वाली रॉबर्ट्सगंज निवासी प्रीति दुबे ने बताया कि इस योजना से उनका जीवन एकदम बदल गया है। पहले वह एक गृहणी थीं लेकिन अब निरंतर विकसित हो रहे उत्तर प्रदेश की एक आत्मनिर्भर नारी हैं। बताया कि इस योजना के तहत उन्होंने पांच लाख रुपये का ब्याजमुक्त ऋण लेकर ब्यूटी पार्लर खोला था। इस पार्लर से अब उनकी अच्छी आमदनी भी होने लगी है। उन्होंने पार्लर में तीन युवतियों को रोजगार भी दे रखा है। कुछ इसी तरह की ही कहानी रॉबर्ट्सगंज के केतन पांडेय की भी है। केतन के रेस्टोरेंट में पहुंच रहे स्वाद के शौकीन-नौकरी तलाश रहे केतन को जब इस योजना के बारे में पता चला तो उन्होंने इस योजना का लाभ उठाते हुए आधुनिक रेस्टोरेंट खोला और उसमें स्वच्छता, गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि को प्राथमिकता पर रखा। जिससे उनका रेस्टोरेंट लोकप्रिय हो गया और खाने के शौकीन आस-पास के लोग भारी संख्या में पहुंचने लगे। केतन बताते हैं कि सारे खर्च निकालने के बाद उन्हें प्रतिमाह औसत 20 हजार रुपये की आमदनी हो जाती है। साथ ही उन्होंने अपने रेस्टोरेंट में कई लोगों को रोजगार भी दे रखा है जिससे उन्हें बहुत आत्म संतुष्टि मिलती है।

हिण्डालको रेणुकूट के कर्मचारी 'रवि सिंह' करेंगे वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रेणुकूट/सोनभद्र। जिला सोनभद्र

के रेणुकूट निवासी रवि सिंह, पुत्र स्वर्गीय महामाया प्रसाद सिंह, रवि सिंह जो हिण्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेणुकूट के विभाग ब्वायलर को-जेनरेशन में कार्यरत हैं, ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल कर जिले, उत्तर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है। रवि सिंह आगामी विश्व क्वान की डो चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

विशेष बात यह है कि वह उत्तर प्रदेश के पहले खिलाड़ी हैं, जिन्हें 8वीं विश्व क्वान की डो चैंपियनशिप, में प्रतिभाग करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

8वीं विश्व क्वान की डो चैंपियनशिप 2026 यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 20 मई से 24 मई 2026 तक रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट स्थित कॉम्प्लेक्स स्पोर्टिफ 'सैले पॉलीवैलेंटे डायनामो', बुखारेस्ट, रोमानिया में आयोजित की जाएगी। जिसमें दुनिया भर के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। रवि अपनी मेहनत, अनुशासन तथा निरंतर अभ्यास के दम पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। वर्तमान में वह हिण्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट में कार्यरत रहते हुए खेल के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। रवि सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता-पिता के आशीर्वाद, गुरुजनों के मार्गदर्शन एवं सहयोगियों को दिया है। उन्होंने विशेष रूप से उत्तर प्रदेश क्वान की डो एसोसिएशन के महासचिव अमित कुमार सिंह, क्वान की डो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के कोषाध्यक्ष विनोद कुमार तथा क्वान की डो के समस्त पदाधिकारी का आभार व्यक्त किया, जिनके मार्गदर्शन और सहयोग से उन्हें यह अवसर प्राप्त हुआ। रवि सिंह ने कहा, 'देश के लिए खेलना मेरे जीवन का सबसे बड़ा गर्व है। यह उपलब्धि केवल मेरी नहीं, बल्कि उन सभी लोगों की है जिन्होंने हर कदम पर मेरा समर्थन किया। मैं विश्व मंच पर भारत का नाम रोशन करने के लिए पूरी मेहनत और समर्पण के साथ उतरूंगा।'रवि सिंह की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर जिले के जनप्रतिनिधियों, खेल प्रेमियों,सहकर्मियों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। रेणुकूट और सोनभद्र क्षेत्र में खुशी का माहौल है तथा सभी को उम्मीद है कि रवि सिंह विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर देश और जिले का नाम रोशन करेंगे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

मुशफिकुर रहीम ने संन्यास से वापसी की खबरें खारिज कीं,कहा- टीम अच्छा कर रही, मेरी जरूरत नहीं, बीते साल रिटायरमेंट लिया था

सिलहट। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मुशफिकुर रहीम ने वनडे क्रिकेट में संन्यास से वापसी की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। रहीम ने शुक्रवार को कहा- 'उनका संन्यास का फैसला अंतिम है और वे अब इस फॉर्मेट में लौटकर नहीं आएंगे।' 39 साल के रहीम ने खुलासा किया कि उन्हें बोर्ड और टीम मैनेजमेंट की तरफ से वनडे टीम में लौटने का संदेश मिला था। हाल ही में बांग्लादेश के वनडे कप्तान मेहदी हसन मिराज ने कहा था- 'रहीम का अनुभव और मिडिल ऑर्डर में उनकी मौजूदगी टीम को मजबूती दे सकती है।' इसके बाद मुशफिकुर से वापसी को लेकर बातचीत शुरू हो गई।

पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले रहीम ने कहा- 'टीम मेरे बिना भी अच्छा कर रही है।' वापसी के सवाल पर रहीम ने कहा- 'मुझे वनडे टीम में वापस लौटने का ऑफर मिला था, लेकिन मुझे लगता है कि अब उन्हें मेरी सेवाओं की कोई जरूरत नहीं है। टीम इस समय अच्छा प्रदर्शन कर रही है और वे भविष्य में और भी बेहतर करेंगे।'मुशफिकुर की वापसी की मांग क्यों? न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान बांग्लादेश का मिडिल ऑर्डर नाकाम रहा। खासकर पहले वनडे में टीम को कोलैप्स का सामना करना पड़ा था। इसे बेहतर बनाने के लिए बोर्ड रहीम को वापस लाने का प्रयास कर रहा था। चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद संन्यास लिया था-रहीम ने पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी से बांग्लादेश के जल्दी बाहर होने के बाद रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था। रहीम अब केवल टेस्ट क्रिकेट खेलते हैं। उन्होंने टी-20 से 2022 वर्ल्ड कप के बाद रिटायरमेंट एनाउंस किया था। मुशफिकुर का वनडे करियर 19 साल का था। वे बांग्लादेश के पूर्व कप्तान भी रह चुके हैं। रहीम एकमात्र बांग्लादेशी हैं जिन्होंने टेस्ट में तीन डबल सेंचुरी लगाई हैं।

बॉक्सर साक्षी चौधरी को कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स का टिकट,सिलेक्शन ट्रायल के फाइनल में निखत जरीन सहित मीनाक्षी को हराया

पटियाला। हरियाणा की मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स का टिकट हासिल कर लिया हैं। उन्होंने शुक्रवार को पटियाला में चल रहे सिलेक्शन ट्रायल्स के फाइनल में वर्ल्ड चैंपियन मीनाक्षी हुड?डा को 5-0 से हराया। सर्विसेस से खेल रही साक्षी ने 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट निखत जरीन को 51 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में 4-1 से हराया था। वहीं, 48 किग्रा वर्ग की मीनाक्षी ने नीतू घंघास को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। 2026 के कॉमनवेल्थ गेम्स जुलाई-अगस्त में ग्लासगो में होंगे। इसके बाद सितंबर-अक्टूबर में जापान में एशियन गेम्स का आयोजन होगा। महिला वर्ग में प्रीत पवार (54 किग्रा), प्रिया घंघास (60 किग्रा), जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा) और अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं। पुरुष वर्ग में सचिन सिवाच ने भी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए जगह पक्की कर ली है। बाकी चार वेट कैटेगरी - 55 किग्रा, 65 किग्रा, 70 किग्रा और प्लस 90 किग्रा के लिए ट्रायल आयोजित किए जा रहे हैं। जीतने वाले मुक्केबाज चेकिया में कैंप में जाएंगे-जीतने वाले मुक्केबाज कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारी के लिए चेकिया में लगने वाले एक्सपोजर कैंप में जाएंगे। वहीं, दूसरे स्थान पर रहने वाले मुक्केबाज जून में चीन में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में हिस्सा लेंगे। बॉक्सिंग वर्ल्ड कप सीरीज-2 का आयोजन 15 से 20 जून तक चीन में किया जाएगा।प्रमुख नतीजे-3 बार के वर्ल्ड कप मेडलिस्ट हितेश गुलिया को 70 किग्रा वर्ग में सुमित के हाथों हार झेलनी पड़ी। एशियाड की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट परवीन हुड्डा ने अंकुशिता बोरो को हराया अपनी दावेदारी मजबूत की। अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी को 80 किग्रा वर्ग में नैना ने मात दी। 65 किग्रा वर्ग में ओलिंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन ने पूजा को 7-0 से हराया। ट्रेडिशनल ट्रायल सिस्टम लौटा, प्लेयर्स की दो राय बीएफआई ने एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले बॉक्सर्स को कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए सीधे क्वालिफाई माना था। जिन वेट कैटेगरी के बॉक्सर फाइनल में नहीं पहुंचे थे, उनका चयन प्रदर्शन के अंकों के आधार पर होना था। हालांकि, भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) ने इन वेट कैटेगरी के लिए ओपन ट्रायल्स से सीडब्लूजी और वर्ल्ड कप खिलाड़ियों के चयन के निर्देश दिए। साथ ही, पारदर्शिता की कमी के कारण असेसमेंट सिस्टम सस्पेंड कर दिया था। अधिकांश मुक्केबाजों ने एसएआई के फैसले को सही ठहराया। इंटरनेशनल बॉक्सर्स का कहना है कि ट्रायल सिस्टम ज्यादा निष्पक्ष है। एक मुक्केबाज ने कहा- 'ट्रायल में सब कुछ सामने होता है। अगर मैं हारता हूं, तो मुझे पता है कि कहां कमी रह गई, जबकि पुराने सिस्टम में हमें हफ्तों लिस्ट का इंतजार करना पड़ता था।' हालांकि, कुछ मुक्केबाजों का मानना है कि इससे चुनिंदा राज्यों का दबदबा बढ़ेगा।

फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए फ्रांस की टीम घोषित,फॉरवर्ड लाइन में डेम्बेले और डौए जैसे नाम, एमबाप्पे कप्तानी करेंगे

पेरिस। साल 2022 की फाइनलिस्ट फ्रांस ने 11 जून से शुरू हो रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए 26 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। पिछले फाइनल में 3 गोल दागने वाले किलियन एम्बाप्पे को इस टीम की कप्तानी सौंपी गई है। कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने दमदार फॉरवर्ड लाइन तैयार किया है। इसमें एमबाप्पे के अलावा, बैलोन डी'ओर विजेता ओस्मान डेम्बेले और युवा स्टार डेसिरे डौए जैसे नाम हैं। 2018 की चैंपियन और 2022 की उपविजेता फ्रांस इस बार तीसरा वर्ल्ड कप जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। फारवर्ड लाइन में अनुभव और युवाओं का मिश्रण फ्रांस का फॉरवर्ड लाइनअप इस समय दुनिया में सबसे मजबूत नजर आ रहा है। टीम में सुपरस्टार किलियन एमबाप्पे के साथ बैलोन डी'ओर विजेता ओस्मान डेम्बेले, उभरते हुए सितारे डेसिरे डौए, माइकल ओलिसे, रेयान चेर्की, ब्रैडली बारकोला और मैग्नेस अक्लिओचे शामिल हैं। यह आक्रमण पंक्ति किसी भी विरोधी रक्षापंक्ति को ध्वस्त करने का माद्दा रखती है। रियल मैड्रिड के स्टार मिडफील्डर एडुआर्डो कामाविंगा का नाम सूची से गायब होना सबसे बड़ा सरप्राइज है। रॉबिन रिसर को घरेलू प्रदर्शन का इनाम घरेलू लीग (लेंस) के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा गोलकीपर रॉबिन रिसर को पहली बार विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। रिसर ने इस सप्ताह की शुरुआत में ही सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार जीता था। उन्हें मुख्य गोलकीपर माइक मैगनन और ब्राइस सांबा के बाद तीसरे गोलकीपर के विकल्प के रूप में शामिल किया गया है। टीम में चुने जाने पर रिसर ने भावुक होकर कहा, 'यह मेरा एक सपना था, यह अविश्वसनीय है और मेरे पास शब्द नहीं हैं।' कोलो मुआनी पर गिरी गाजः पिछले वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में गोल दागने वाले और फाइनल में अर्जेंटीना के खिलाफ ऐतिहासिक चांस चूकने वाले रैंडल कोलो मुआनी को टीम में जगह नहीं मिली है। उनकी जगह क्रिस्टल पैलेस के फॉर्म में चल रहे फारवर्ड जीन-फिलिप माटेटा को तरजीह दी गई है। लुकास शेवेलियर को झटकाः पीएसजी के गोलकीपर लुकास शेवेलियर जनवरी के बाद से क्लब के लिए बेंच पर बैठने के कारण वर्ल्ड कप का टिकट हासिल करने में नाकाम रहे। कोच ने साफ कहा, 'चयन का मुख्य आधार मैदान पर प्रदर्शन है। लुकास कई महीनों से खेले ही नहीं हैं। कोच डेसचैम्प्स के लिए आखिरी टूर्नामेंट यह टूर्नामेंट फ्रांस के सबसे सफल कोच डिडिएर डेसचैम्प्स के लिए आखिरी साबित होगा। उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी है कि वे इस मेगा टूर्नामेंट के बाद संन्यास ले लेंगे। साल 2012 से फ्रांस के कोच रहे डेसचैम्प्स अपने विदाई टूर्नामेंट को ऐतिहासिक बनाना चाहेंगे। फ्रांस को ग्रुप आई में रखा गया है।

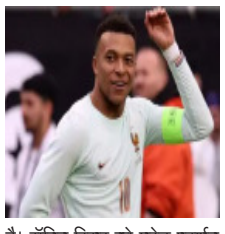

बाबा महाकाल के दरबार में भारतीय महिला क्रिकेट टीम,कप्तान हरमनप्रीत और कोच ने नंदी के कान में कही मनोकामना

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार सुबह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने बाबा महाकाल के दरबार में हाजिरी लगाई। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित अन्य खिलाड़ियों ने तड़के भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। जानकारी के अनुसार भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सदस्य तड़के करीब 3 बजे मंदिर पहुंचे। इस दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ कोच भी शामिल हुए। कप्तान हरमनप्रीत के साथ प्रवीण शर्मा, अमोल मुजुमदार, अरुंधति, शेर सिंह, अनिरुद्ध, भारती, साल्वी, श्रेयंका, रेणुका, राखी, धनंजय, नंदिनी, सचिन, पूर्वा, यस्तिका, शैफाली, दीप्ति, ममता, राधा, क्रांति, रुचा, मुनीश, नल्लापु, गोल्लाने सहित अन्य खिलाड़ी मौजूद रहे। सभी खिलाड़ियों ने ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर की प्रातःकालीन भस्म आरती में दर्शन लाभ लिया।

भस्म आरती के दौरान महिला खिलाड़ी पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आईं। करीब दो घंटे तक आरती में शामिल रहने के बाद खिलाड़ियों ने नंदी हॉल में पूजन-अभिषेक किया और नंदी के कान में अपनी मनोकामना कही। इसके बाद चांदी द्वार से भगवान महाकाल को पुजारी के हाथों जल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती के पश्चात श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का स्वागत और सम्मान भी किया गया।

फीफा वर्ल्ड कप के लिए बेल्जियम टीम का ऐलान,लिले के फर्नांडीज को पहली बार मौका,डि ब्रुइन और कोर्दुआ संभालेंगे कमान, ओपेंडा बाहर

नयी दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए बेल्जियम ने 26 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। रियाल मैड्रिड के गोलकीपर थिबो कोर्दुआ और मिडफील्डर केविन डि ब्रुइन टीम की कमान संभालेंगे। वर्ल्ड कप 12 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। मुख्य कोच रूडी गार्सिया की टीम इस बार डार्क हॉर्स (छुपा रुस्तम) साबित हो सकती है। बेल्जियम को अब भी अपने पहले वर्ल्ड कप खिताब का इंतजार है। बेल्जियम को ग्रुप-जी में मिस्र (इजिप्ट), ईरान और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। टीम 16 जून को मिस्र के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। मटियास फर्नांडीज-पार्डो को पहली बार मौका, स्पेनिश नागरिकता के बाद भी टीम में शामिल लिले के 21 साल के फॉरवर्ड मटियास फर्नांडीज-पार्डो को पहली बार बेल्जियम की नेशनल टीम में जगह मिली है। उनके चयन पर लंबे समय से सस्पेंस था, क्योंकि उन्होंने पिछले साल स्पेनिश नागरिकता ले ली थी। हालांकि, थॉमस म्यूनिएर और नाथन ग्नोय के साथ करीबी रिश्तों के चलते वे बेल्जियम के लिए खेलना चाहते थे। विवादों के बावजूद कोच रूडी गार्सिया ने इस युवा खिलाड़ी पर भरोसा जताया है।खराब फॉर्म के कारण लोइस ओपेंडा बाहर, मैट सेल्स को भी जगह नहीं-युवेंटस के स्ट्राइकर लोइस ओपेंडा को वर्ल्ड कप टीम से बाहर कर दिया गया है। उनका पिछला सीजन खराब रहा था और वे नए क्लब की तलाश में हैं। इंग्लिश क्लब लीड्स यूनाइटेड ने उन्हें खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। खराब फॉर्म के चलते उन्हें 26 खिलाड़ियों की लिस्ट में जगह नहीं मिली। गोलकीपर मैट सेल्स को भी इस बार टीम में शामिल नहीं किया गया है। 2018 में तीसरे स्थान पर रही थी बेल्जियम, 13 बार खेल चुकी है वर्ल्ड कप-बेल्जियम की टीम 13 बार फुटबॉल वर्ल्ड कप में हिस्सा ले चुकी है। टीम का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन 2018 वर्ल्ड कप में रहा था, जब केविन डि ब्रुइन की अगुआई में वह तीसरे स्थान पर रही थी। तब बेल्जियम ने तीसरे स्थान के मुकाबले में इंग्लैंड को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इससे पहले 1986 वर्ल्ड कप में टीम चौथे स्थान पर रही थी।वर्ल्ड कप 2026 के लिए बेल्जियम का स्क्वॉड इस प्रकार है-गोलकीपरः थिबो कोर्दुआ, सेने लैमेंस, माइक पेंडर्स। डिफेंडरः टिमोथी कास्टैग्ने, जेनो डेबास्ट, मैक्सिम डी क्यूपर, कोनी डी विंटर, ब्रैंडन मेचेले, थॉमस म्यूनिएर, नाथन ग्नोय, जोकिन सीस, आर्थर थिएट। मिडफील्डरः केविन डि ब्रुइन, अमादू ओनाना, निकोलस रास्किन, यूरी टिलेमैंस, हंस वानाकेन, एक्सेल विटसेल। फॉरवर्डः चार्ल्स डी केटलेरे, जेरेमी डोकू, मटियास फर्नांडीज-पार्डो, रोमेलु लुकाकू, डोडी लुकेबाकियो, डिएगो मोरेरा, एलेक्सिस सेलेमेकर्स, लिएंड्रो ट्रॉसार्ड।

स्किन की परेशानी डर्मेटोलॉजिस्ट से जानें घरेलू उपचार, बचाव के 8 तरीके, कब डॉक्टर को दिखाना जरूरी

नयी दिल्ली। गर्मियों में तेज धूप, उमस और पसीने से स्किन पर खुजली, लाल दाने या रैशेज हो जाते हैं। लोग इसे हल्की समस्या मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। कई बार ये हीट रैश यानी घमौरियां हो सकती हैं। स्किन पर स्वेट डक्ट्स होते हैं, जिनसे पसीना निकलता है। इनके ब्लॉक होने पर पसीना स्किन के अंदर ही फंस जाता है। इससे हीट रैश होता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में हीट रैश की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- हीट रैश क्यों होता है? इसके क्या लक्षण हैं? हीट रैश के घरेलू उपाय क्या हैं? साथ ही विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. संदीप अरोड़ा, सीनियर कंसल्टेंट, डर्मेटोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- हीट रैश क्या होता है? जवाब- हीट रैश एक कॉमन स्किन प्रॉब्लम है। यह ज्यादा गर्मी और पसीने की वजह से होता है। इसे 'प्रिकली हीट', 'स्वेट रैश' या 'मिलियारिया' भी कहा जाता है। सवाल- हीट रैश क्यों होता है? जवाब- पसीने को स्किन की सरफेस तक पहुंचाने वाली डक्ट ब्लॉक होने पर हीट रैश होता है। इससे पसीना असहजता बढ़ाते हैं। सवाल- हीट रैश और एलर्जी या फंगल इन्फेक्शन में क्या फर्क होता है? जवाब- हीट रैश, एलर्जी और फंगल इन्फेक्शन तीनों में स्किन पर दाने के साथ खुजली हो सकती है, लेकिन इनके कारण अलग होते हैं। तीनों को एक-एक करके समझते हैं- हीट रैश, हीट रैश ज्यादा गर्मी और पसीने की वजह से होता है। स्किन डक्ट्स में पसीना फंसने पर छोटे लाल दाने हो जाते हैं या चुभन महसूस होती है। यह अक्सर चकत्ते, सूजन और तेज खुजली होती है। फंगल इन्फेक्शन- ये फंगस के कारण होता है। आमतौर पर आर्म पिट (बगल), जांघों पर या पैरों की उंगलियों के बीच होता है। इसमें गोल दाने, लगातार खुजली होती है। स्किन छिल भी सकती है। सवाल- हीट रैश शरीर के किन हिस्सों में ज्यादा होता है? जवाब- यह उन हिस्सों में होता है, जहां हवा कम लगती है या स्किन आपस में रगड़ती है। खासकर वे हिस्से जो कपड़ों से ढके रहते हैं या जहां पसीना ज्यादा जमा होता है। ये बच्चों और वयस्कों में अलग अलग जगहों पर होता है- बच्चों में- आर्म पिट्स (बगल) कोहनी के अंदर की सिलवटें गर्दन-ग्रोइन या डायपर वाला हिस्सा, गर्दन का निचला हिस्सा और पीठ,वयस्कों में- हाथ, पीठ, चेस्ट (महिलाओं में ब्रेस्ट के नीचे), जांघों के बीच इन हिस्सों में पसीना ज्यादा जमा होने से स्वेट डक्ट्स ब्लॉक हो जाते हैं। इससे हीट रैश होता है। सवाल- क्या टाइट कपड़े पहनने से हीट रैश बढ़ सकता है?जवाब- हां, टाइट कपड़ों से एयर फ्लो रुक जाता है। इससे स्किन तक हवा नहीं पहुंच पाती। इसके चलते पसीना ज्यादा होता है, देर से सूखता है। यही वजह है कि टाइट कपड़े पहनने से हीट रैश बढ़ जाता है। सवाल- क्या पर्सनल हाइजीन का ख्याल न रखने से भी हीट रैश बढ़ सकता है? जवाब- हां, अगर रोज नहीं नहाते हैं, पसीने से भीगे कपड़े लंबे समय तक पहने हुए हैं, साफ सफाई नहीं रखते हैं तो हीट रैश के खतरे को बढ़ा सकती हैं। पॉइंटर्स से समझिए-डायबिटीज डायबिटीज में ब्लड शुगर ज्यादा रहने से स्किन की इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है। इससे स्किन में इन्फेक्शन और सूजन का रिस्क बढ़ जाता है, जिससे रैश जल्दी हो सकते हैं। डायबिटिक लोगों को ज्यादा पसीना आता है, जिससे हीट रैश का रिस्क बढ़ सकता है। ओबिसिटी-वजन ज्यादा होने पर स्किन की सिलवटें (स्किन फोल्ड्स) बढ़ जाती हैं। इसलिए जांघों, पेट या आर्म पिट्स (बगल) में हीट रैश के लक्षण ज्यादा दिखते हैं। मोटापे के कारण बॉडी को हीट कंट्रोल करने में समस्या होती है। इससे पसीना ज्यादा बनता है और हीट रैश का खतरा बढ़ जाता है। स्किन कंडीशन, कुछ स्किन डिजीज में स्किन सेंसिटिव हो जाती या सूजन हो जाती है। इससे स्वेट डक्ट्स ब्लॉक हो जाती हैं। ऐसी स्किन पर गर्मी और पसीना होने से रैश जल्दी बन सकते हैं। सवाल- हीट रैश का घरेलू इलाज क्या है? जवाब- कुछ आसान घरेलू उपाय जलन, खुजली कम करने में मदद कर सकते हैं। जैसे- ठंडी पट्टीः प्रभावित हिस्से पर 5-10 मिनट तक ठंडे पानी में भीगे कपड़े की पट्?टी रखें या बर्फ पर कपड़ा लपेटकर लगाएं। यह सूजन और खुजली कम करने में मदद कर सकता है। एलोवेराः एलोवेरा जेल लगाने से स्किन को ठंडक मिलती है। इससे जलन व सूजन कम हो सकती है। खीराः फ्रिज में रखी खीरे की स्लाइस प्रभावित जगह पर लगाएं। इससे स्किन को ठंडक मिलती है और जलन कम हो सकती है। चंदन पाउडरः चंदन पाउडर में पानी मिलाकर पेस्ट बनाकर लगाएं। इससे जलन और सूजन कम करने में मदद मिल सकती है। नीमः नीम के पत्तों का पेस्ट या नीम का तेल लगाएं। इससे स्किन को आराम मिलता है, क्योंकि इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं।सवाल- कितने दिनों तक हीट रैश ठीक न हो तो डॉक्टर को दिखाना चाहिए? जवाब- आमतौर पर हीट रैश 2-3 दिनों में ठीक हो जाते हैं। इन कंडीशंस में डॉक्टर से कंसल्ट करें- अगर दाने 3-4 दिनों से ज्यादा समय तक बने हुए हैं। बुखार, दर्द, पस और सूजन जैसे लक्षण दिख रहे हैं। गर्मी में होने वाला हीट रैश स्किन के ओवरहीट और केयर की कमी का संकेत है। थोड़ी सावधानी बरतकर इससे बचा जा सकता है।

नई पीढ़ी की अच्छी हेल्थ हमारे निर्णयों से तय होती है

विज्ञान लंबे समय से यह मानता आया है कि जीन जीवन की आधारशिला हैं। लेकिन हाल के वर्षों में आए शोध सिद्ध करते हैं कि बच्चों का स्वास्थ्य केवल जीन से निर्धारित नहीं होता, बल्कि बच्चे के गर्भ में आने से पहले के माता-पिता के स्वास्थ्य और जीवनशैली से भी प्रभावित होता है।

ब्रिटेन में हुई 'एवन लॉन्गिट्यूडिनल स्टडी ऑफ पैरेंट्स एंड चिल्ड्रन (एएलएसपीएसी) ने कई महत्वपूर्ण तथ्य दिए हैं। इस पर आधारित और द लैंसेट चाइल्ड एंड अडोलेसेंट हेल्थ (2023) में प्रकाशित स्टडी में देखा गया कि शुरुआती जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियां बच्चों की जीन-अभिव्यक्ति को बदल सकती हैं। बीएमजे ओपन (2022) के अध्ययन ने गर्भावस्था के दौरान मांओं में तनाव को बच्चों में हृदय संबंधी जोखिमों से जोड़ा है। वहीं वेलकम ओपन रिसर्च (2023) ने पिता के स्वास्थ्य की बच्चों के स्वास्थ्य में भूमिका को रेखांकित किया है।

बच्चे अपने माता-पिता से डीएनए प्राप्त करते हैं, जो मधुमेह, मोटापा, हृदय रोग और मानसिक स्वास्थ्य जैसी स्थितियों की संभावना को प्रभावित करता है। लेकिन डीएनए की संरचना बदले बिना जीन कब और कितना सक्रिय होगा, यह प्रक्रिया भावी पैरेंट्स के पोषण, तनाव और जीवनशैली से प्रभावित होती है।

यही कारण है कि प्री-कॉन्सेप्शनल हेल्थ- यानी गर्भधारण से पहले का स्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। इसका मतलब है कि अगर किसी माता-पिता को अपने होने वाले बच्चे का अच्छा स्वास्थ्य चाहिए तो उन्हें खुद पोषण, स्वस्थ वजन, नियमित शारीरिक गतिविधि, नशे से दूरी और अच्छा मानसिक संतुलन बनाए रखना होगा। यह जिम्मेदारी महिलाओं-पुरुषों की समान रूप से है।

शोध बताते हैं कि यदि पिता गर्भधारण से पहले धूम्रपान करते हैं, तो इससे बच्चों को मिलने वाले डीएनए में ऐसे बदलाव हो सकते हैं, जो अस्थमा, मोटापा और मेटाबोलिक रोगों का जोखिम बढ़ाते हैं। मातृ-धूम्रपान के प्रभाव और भी गंभीर हैं। ऐसे बच्चों में जन्म के समय कम वजन और आगे चलकर मोटापे की सम्भावना अधिक होती है।

वैश्विक स्तर पर लगभग 14.4फीसदी महिलाएं और 27.5फीसदी पुरुष गर्भावस्था के दौरान धूम्रपान करते हैं, जो इस समस्या की व्यापकता को दर्शाता है। इसी तरह, यदि माता-पिता का वजन अधिक है, तो बच्चों में मधुमेह और हृदय रोग का खतरा बढ़ जाता है। यह केवल जीन का असर नहीं, बल्कि शरीर के भीतर बनने वाले जैविक संकेतों का भी परिणाम है, जो भ्रूण के विकास को प्रभावित करते हैं।

इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, भारतीय शिशु अकादमी और भारत के प्रसूति एवं स्त्री रोग समाजों के महासंघ ने प्री-कॉन्सेप्शनल केयर को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल करने की सिफारिश की है। इनमें फोलिक एसिड सप्लीमेंट, एनीमिया, डायबिटीज और थायरॉइड की जांच, स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने की बात कही गई है।

प्री-कॉन्सेप्शनल हेल्थ के फायदे केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी हैं। इससे समय से पहले जन्म, कम वजन और जन्मजात विकारों का जोखिम कम होता है। दीर्घकाल में यह मधुमेह और हृदय रोग जैसी बीमारियों को कम करता है। इससे परिवारों का इलाज पर होने वाला खर्च घटता है और स्वास्थ्य प्रणाली पर बोझ कम होता है।

भारत जैसे देश में- जहां गैर-संचारी रोग तेजी से बढ़ रहे हैं- यह दृष्टिकोण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। आज की जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की जड़ें अकसर जीवन के शुरुआती चरणों में ही पड़ जाती हैं। यदि हम गर्भधारण से पहले ही स्वास्थ्य सुधार पर ध्यान दें, तो आने वाली पीढ़ियों को अधिक स्वस्थ बनाया जा सकता है। इसके बावजूद, हमारे स्वास्थ्य तंत्र में प्री-कॉन्सेप्शनल केयर अभी भी सीमित है। अधिकतर प्रयास गर्भावस्था या जन्म के बाद शुरू होते हैं, जबकि वास्तविक अवसर उससे पहले मौजूद होता है। हमें इस सोच को बदलना होगा और प्री-कॉन्सेप्शनल हेल्थ को सार्वजनिक स्वास्थ्य का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। शोध समाज की प्रगति के सहायक हो सकते हैं, बशर्ते उनको स्वास्थ्य नीतियों में शामिल किया जाए। विज्ञान का संदेश स्पष्ट है- जीन मंच तैयार करते हैं, लेकिन कहानी पर्यावरण लिखता है- हमारे व्यवहार और जीवनशैली के जरिए।

आने वाली पीढ़ियों का स्वास्थ्य आज, हमारी गतिविधियों से तय हो रहा है। ऐसे में प्री-कॉन्सेप्शनल हेल्थ में निवेश केवल चिकित्सकीय आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है, जो स्वस्थ भविष्य की नींव रखती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं,डॉ. चन्द्रकान्त लहारिया)

बच्चे की पसंद और नापसंद उसके जन्म से पहले तय हो सकती हैं

'भूख लग रही है बच्चा? बस मुझे थोड़ा समय दो। मैं जल्दी से गाजर और बीन्स को घर में उगाई पालक से मिलाकर एक बढ़िया सब्जी बना देती हूं, जिसे तुम अपनी रोटी के साथ बड़े चाव से खाओगे।' मैंने एक बार रसोई में अपनी मां को यह कहते सुना था। बैठकखाने से मैं मौसी को देख सकता था, जो अपनी गर्भावस्था के आखिरी दो महीनों में हमारे यहां रहने आई थीं। वे रसोई के भीतर एक कुर्सी पर पसरी गहरी नींद में थीं। मैंने मां से पूछा, 'आप इस सोच को बदलना होगा और प्री-कॉन्सेप्शनल हेल्थ को सार्वजनिक स्वास्थ्य का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। शोध समाज की प्रगति के सहायक हो सकते हैं, बशर्ते उनको स्वास्थ्य नीतियों में शामिल किया जाए। विज्ञान का संदेश स्पष्ट है- जीन मंच तैयार करते हैं, लेकिन कहानी पर्यावरण लिखता है- हमारे व्यवहार और जीवनशैली के जरिए।

आने वाली पीढ़ियों का स्वास्थ्य आज, हमारी गतिविधियों से तय हो रहा है। ऐसे में प्री-कॉन्सेप्शनल हेल्थ में निवेश केवल चिकित्सकीय आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है, जो स्वस्थ भविष्य की नींव रखती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं,डॉ. चन्द्रकान्त लहारिया)

क्या हम कभी केवल अपनी ही कहानी सुना सकते हैं?

साहित्य के इतिहास में एक खूब जाना-माना वाक्य है- 'द पास्ट इज अ डिफ्रेंट कंट्री, दे डु थिंग्स डिफ्रेंटली देयर' ('अतीत एक अलग देश है, जिसका अपना भूगोल है, अपने रीति-रिवाज हैं')। 1953 में हार्टले द्वारा लिखे गए उपन्यास 'द गो-बिटवीन' का यह पहला वाक्य है। यहां अतीत को दूसरा देश कहकर शायद हमें बताया जा रहा है कि हम भूतकाल को वर्तमान के नजरिये से न देखें। क्योंकि तब समय स्पेस बन जाता है, इतिहास भूगोल बन जाता है।हम समय को तीन हिस्सों में बांटते हैं- भूत, वर्तमान और भविष्य। यह एक बहते समंदर को तीन हिस्सों में बांटने की तरह है, जो हमारी सुविधा के लिए किया जाता है। क्या हम अपनी पिछली जिंदगी को वर्तमान से अलग कर सकते हैं? क्या उसकी छाया वर्तमान पर नहीं पड़ती? इसी बात पर मेरी चर्चा सुमित्रा मेहरोल से हुई। सुमित्राजी दलित महिला हैं, जिनकी आत्मकथा 'टूटे पंखों से परवाज तक' हमारी चर्चा का विषय था।सुमित्राजी की जिंदगी में तीन स्तरों पर चुनौतियां थीं- विकलांग होना, दलित होना और स्त्री होना। एक चौथा स्तर भी जोड़ा जा सकता है- आर्थिक तकलीफों का। आत्मकथा में जब सुमित्रा अपने शैशवकाल की बात करती हैं और अवहेलना, धिक्कार से भरे जीवन के बारे में बताती हैं, तो पाठकों का मन द्रवित हो उठता है। आज वे सफल लेखिका हैं, पढ़ाती हैं, घर है और उनके बच्चे भी कामयाबी के पथ पर हैं। ऐसे में उस अतीत से उनका क्या रिश्ता है, जो दुःखों से भरा हुआ था?यह सोचते मुझे ख्याल आया कि आत्मकथा तब लिखी जाती है, जब हम दुःखों से जूझकर बाहर निकल आते हैं, उनमें गर्क नहीं होते। समय हम पर हावी नहीं होता, उसको हम पीछे छोड़कर उसकी जकड़ से निकल जाते हैं। अतीत विलीन नहीं हो जाता, उसके डरावने दानव अभी भी हमारे वर्तमान के दरवाजों पर दस्तक देते हैं, पर अब हम इतने सक्षम हो चुके होते हैं कि तय कर सकते हैं उन दानवों को कितनी देर घर में बिठाना है। यहां मैं ऐसे ट्रॉमा की बात कर रही हूं, जो सुमित्रा और छोटे-बड़े अंश में कई लोगों की जिंदगी का हिस्सा है।हादसों से भरा अतीत एक भूगोल नहीं बनता, पर एक थका हुआ दानव जरूर बन जाता है, जिसका खौफ कम होने लगता है। ऐसे में जीवन को साहित्य का स्वरूप देकर आत्मकथा, उपन्यास वगैरह लिखे जाते हैं, खासतौर पर उनके द्वारा, जो हमेशा हाशिए पर रहे हों।

यह तो अतीत की बात है, लेकिन मुझे आत्मकथा के स्वरूप में भी रुचि है। यदि मैं 'आत्मकथा' को केवल स्वयं द्वारा लिखी जीवनी के रूप में नहीं, बल्कि आत्म की कहानी के रूप में समझूं, तो कई नए पहलू खुल जाते हैं। गांधीजी ने आत्मकथा को शायद इसी रूप में समझा था- आत्म का विकास।शायद इसीलिए जब उनसे कोई शुभचिंतक कहता है कि हम लोग आत्मकथाएं नहीं लिखते, सिर्फ पश्चिमी देशों के लोग लिखते हैं तो वे जवाब देते हैं, मैंने कब कहा वक्त काटने के साधन नहीं थे। मैंने उनसे कहा, आप के जो मन में आए, अपने बारे में लिखो। उन्होंने शुरुआत की किन्तु तुरंत ही छोड़ दिया। उनका कहना था वे उनकी और मेरी आत्मकथा लिख रही थीं, फिर लगा कि उन्हें सब बातें नहीं बतानी हैं। आत्मकथा तो सिर्फ एक व्यक्ति की होती है, तो उनकी और मेरी आत्मकथा लिख रहा हूं, मैं तो सिर्फ सत्य के प्रयोगों की बात कर रहा हूं। इससे जाहिर होता है कि गांधीजी का मंसूबा अपनी भौतिक पहचान को न लेकर अपनी अंदरूनी यात्रा के बारे में था। पाश्चात्य देशों से आए इस साहित्यिक रूप का गांधीजी ने रूपांतर किया था और यह अंतरात्मा से वार्तालाप करने का एक बहाना भी बना।एक और चीज पाश्चात्य देशों से भिन्न है और यह फर्क भी आत्मकथा के बारे में सोचते हुए मैं समझी हूं। क्या हम खुद की कहानी ऐसे लिख सकते हैं, जिसमें हम सिर्फ अकेले हों? हमारी जिंदगी कई लोगों से जुड़ी हुई है, चाहे वे अपने हों, पसंदीदा लोग हों या नहीं। हमारा 'सेल्फ' एक अकेला टापू नहीं है, जिसके इर्द-गिर्द कोई और नहीं हो। मुझे याद है कि कोविड महामारी के दरमियान मेरी मां बौखलाई हुई थीं। वे मुश्किल से तीसरी क्लास तक पढ़ी हुई हैं और उसके पास आत्मकथा का क्या मतलब हुआ? तब मुझे लगा कि हमारे जीवन के अनुभव और साहित्य-स्वरूप एक-दूसरे से सहमत नहीं हैं। जिस समाज में परिवार से बाहर हमें अपनी कल्पना तक न हो, वहां आत्मकथा सिर्फ अपनी नहीं हो सकती। रामानुजन एक कविता में कहते हैं, 'मैं सब जैसा दिखता हूं सिवाय अपने जैसा।' अपनी तस्वीर ढूंढते हुए कई बार हम पूर्वजों के हस्ताक्षर पाते हैं। आत्मकथा की यही विडम्बना है- उसके रूप की अपेक्षा जीवन के अनुभव से भिन्न है।क्या हम खुद की कहानी ऐसे लिख सकते हैं, जिसमें हम अकेले हों? हमारी जिंदगी कई लोगों से जुड़ी हुई है, चाहे वे अपने हों, पसंदीदा लोग हों या नहीं। हमारा 'सेल्फ' एक अकेला टापू नहीं है, जिसके इर्द-गिर्द कोई और नहीं हो। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,रीटा कोठारी)

हमारी दुनिया बिना शिक्षकों वाले स्कूलों के युग में प्रवेश कर रही है

परंपरागत शिक्षकों के बिना चलने वाले स्कूलों का दौर अब आ चुका है। मैसाचुसेट्स के बोस्टन स्थित अल्फा स्कूल में आपका स्वागत है, जो इसी अकादमिक सत्र से खुलने जा रहा है। 'अल्फा' नाम जानबूझकर चुना गया है, ताकि यह स्कूल के मुख्य छात्रवर्ग ?को दर्शा सके, जो 2010 से 2024 के बीच जन्मी जनरेशन यानी अल्फा का हिस्सा हैं।पहली बार स्कूली व्यवस्था में दाखिल हो रहे ये बच्चे इतिहास की डिजिटल तौर पर सबसे दक्ष पीढ़ी माने जाते हैं। इनके बाद आएगी 'जनरेशन-बीटा' (2025-2039 के बीच जन्मे), जिनके बारे में माना जाता है कि वे ऐसी दुनिया में रहेंगे, जहां एआई रोजमर्रा के हर काम का अभिन्न हिस्सा होगा।अगर सोच रहे हैं कि ऐसे स्कूल में सामान्य दिन कैसा होता है, तो आप पेंसिल छीलने, रबर खोने या शिक्षक की बात सुनने की चिंता छोड़ सकते हैं। स्कूल में हर छात्र के पास एक लैपटॉप है, जिसमें एक समर्पित एआई ट्यूटर होता है। पढ़ाई हर छात्र की अपनी गति और स्तर के अनुसार होती है, जहां पारंपरिक शिक्षक की जगह 'गाइड्स' होते हैं। ये गाइड्स निर्देश देने की जगह छात्रों की प्रगति पर नजर रखते हैं।बोस्टन में कैम्ब्रिज स्ट्रीट पर स्कूल की पहली शाखा किंडरगार्टन से 8वीं तक के 25 छात्रों के छोटे समूह से शुरू होगी। अगले साल यह क्षमता 50 करने की योजना है। फीस 55 हजार डॉलर सालाना होगी। बोस्टन स्कूल समिति ने अभी इस प्रस्ताव को औपचारिक मंजूरी नहीं दी है और सवाल उठाए हैं कि क्या यह मॉडल सामान्य छात्रों की जरूरतों को प्रभावी तरीके से पूरा करता है। हालांकि, कई लोगों का मानना है कि अंततः समिति मंजूरी दे देगी, क्योंकि इस प्रोग्राम को ट्रम्प प्रशासन का मजबूत समर्थन है। बच्चों को इस शिक्षक-रहित स्कूल में दाखिला दिलाने के इच्छुक पैरेंट्स का तर्क है कि अल्फा मॉडल में बच्चे पारम्परिक संस्थानों की तुलना में बहुत तेजी से पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। वे इस सिस्टम को सेल्फ-पेस्ड बताते हैं, जो बच्चों को उनके बौद्धिक स्तर के अनुसार सिखाता है।यह बच्चों को सहपाठियों से नहीं, बल्कि खुद के ही पिछले बेहतरीन प्रदर्शन से प्रतिस्पर्धा के लिए प्रेरित करता है। समर्थकों का दावा है कि इससे 'सेल्फ-डायरेक्शन' और 'रेजिलिएंस' जैसे वास्तविक जीवन-कौशल विकसित होते हैं। इस नए ढांचे में 'शिक्षक' यानी एआई को हर छात्र की जरूरत के अनुसार कस्टमाइज किया गया है। यह उस मूल धारणा को चुनौती देता है कि सीखने के लिए इंसानी शिक्षक चाहिए।इसकी जगह विचार यह है कि बच्चे खुद अपनी शिक्षा यात्रा के प्रोएक्टिव लीडर बन सकते हैं। छात्र गणित, विज्ञान और सोशल स्टडीज के लिए विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं, जबकि कमरे में मौजूद गाइड्स के लिए पारंपरिक शैक्षणिक योग्यता भी जरूरी नहीं है। इस अपारंपरिक तरीके के बावजूद स्कूल स्टेट करिकुलम फ्रेमवर्क का पालन करता है और आवश्यकता पड़े तो किसी छात्र की व्यक्तिगत जरूरत के मुताबिक रीडिंग स्पेशलिस्ट जैसे विशेष स्टाफ की नियुक्ति भी करता है।शायद इस व्यवस्था का सबसे खास पहलू यह है कि कैसे एआई हर बच्चे को व्यक्तिगत तरीके से चुनौती देता है। अब पूरी कक्षा एक समय पर एक ही असाइनमेंट से नहीं जूझती, न छात्रों में सबसे पहले काम खत्म करने की होड़ होती है। इसके बजाय सॉफ्टवेयर हर यूजर के मुताबिक खुद को ढाल लेता है।हालांकि कई पैरेंट्स स्क्रीन टाइम बढ़ने पर चिंता जताते हैं, लेकिन अकसर वे उद्देश्यहीन सोशल मीडिया उपयोग और निगरानी में किए जा रहे प्रोडक्टिव स्कूल वर्क के बीच अंतर को समझ कर संतुष्ट हो जाते हैं।स्कूल प्रशासन का दावा है कि एआई से छात्र पूरे दिन के अकादमिक कार्य को महज दो घंटे में ही पूरा कर लेते हैं, जिससे दिन का बड़ा हिस्सा फिजिकल एजुकेशन और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों के लिए बचता है। इसके दीर्घकालीन प्रभावों को छोड़ें तो फिलहाल यह साफ है कि स्कूली शिक्षा का नया दौर आ चुका है। फंडा यह है कि हमें खुद को ऐसी जिंदगी के लिए तैयार करना होगा, जहां तकनीक इंसानी अनुभव में बड़ी भूमिका निभाएगी। जैसे-जैसे हमारा पारंपरिक ढांचा पलट रहा है, लगता है कि परिवारों में शिक्षा ही वह पहला अहम स्तंभ है, जो पूरी तरह बदलने जा रहा है। एन. रघुरामन

ममता बोलीं- जो टीएमसी छोड़कर जाना चाहता है जाए-पार्टी को फिर खड़ा करने की अपील,कहा- जरूरत पड़ी तो खुद दफ्तर पेंट करूंगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में पार्टी कार्यकर्ताओं से टीएमसी के संगठन को नए सिरे से खड़ा करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हम पार्टी दफ्तरों को दोबारा खोलेंगे, उन्हें रंगेंगे और मजबूती से काम पर लौटेंगे। जरूरत पड़ी तो मैं खुद भी दफ्तरों को पेंट करने के लिए तैयार हूं। इसके बाद उन्होंने कहा कि जो लोग दूसरी पार्टियों में जाना चाहते हैं, वे पूरी तरह आजाद हैं और वे किसी को भी जबरदस्ती रोक कर रखने में यकीन नहीं रखतीं। बैठक के दौरान ममता के भतीजे और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी भी मौजूद थे।बैठक में ममता ने कहा कि चुनाव के नतीजों में भले ही टीएमसी को 80 सीटें मिली हों, लेकिन यह जनादेश की लूट है। इससे उनका हौसला नहीं टूटेगा। 21 मई को फालता सीट पर होने वाले उपचुनाव के उम्मीदवार भी मौजूद थे। दरअसल, फालता में 29 अप्रैल को वोटिंग हुई थी, लेकिन ईवीएम छेड़खानी के आरोपों के बाद चुनाव आयोग ने वहां दोबारा वोटिंग कराने का फैसला किया। 4 मई को आए 293 सीटों के नतीजों में बीजेपी को 207 सीटें मिली थीं। ममता ने इस्तीफा नहीं दिया,

चुनावी हिंसा पर कोट पहुंची-5 मईः ममता ने 4 मई को कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था, 'मैं सीएम पद से इस्तीफा नहीं दूंगी। हम जनादेश से नहीं, साजिश से हारे हैं। इसलिए इस्तीफा देने राजभवन नहीं जाऊंगी। चुनाव आयोग असली विलेन है। उसने भाजपा के साथ मिलकर 100 सीटें लूटीं। अब मेरे पास कोई कुर्सी नहीं है, मैं आजाद पंछी हूं। कहीं से भी चुनाव लड़ सकती हूं, सड़कों पर रहूंगी।' 4 मईः ममता को कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुजॉय पाल और जस्टिस पार्थसारथी सेन के सामने पेश हुईं। मामला हाल के राज्य विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद हुई चुनावी हिंसा से जुड़ी जनहित याचिका का था। सुनवाई के दौरान ममता ने कोर्ट को बताया कि राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बाद बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। इसमें बुलडोजर एक्शन भी शामिल है। पुलिस एफआईआर दर्ज करने की परमिशन नहीं दे रही है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा, 'बंगाल में सीटों पर जीत का अंतर एसआईआर में कटे वोटों से कम मामले में ममता बनर्जी और अन्य लोग नई याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं।' टीएमसी ने दावा किया कि हालिया विधानसभा चुनाव में 31 सीटों पर जीत का अंतर, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दौरान हटाए गए वोटों की संख्या से कम था। दरअसल, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची की बेंच बंगाल में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इसी दौरान टीएमसी सांसद और वकील कल्याण बनर्जी ने बागची की उस टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि अगर जीत का अंतर हटाए गए वोटों से कम है, तो अदालत शिकायतों पर विचार कर सकती है।

पीएम की 1 साल तक सोना न खरीदने की अपील,सरकार खुद लगातार सोना क्यों भर रही- पूरी कहानी

नयी दिल्ली। पीएम मोदी ने 10 मई को लोगों से सोना न खरीदने की अपील की। उन्होंने कहा- हमें यह तय करना होगा कि सालभर तक घर में कोई कार्यक्रम हो, हम सोने के गहने नहीं खरीदेंगे। 15 मई को कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने निशाना साधा- 'आप बोलते हैं कि एक मंगलसूत्र मत खरीदो। जेवर मत खरीदो-और मोदी सरकार 7 महीने में 85.88 मीट्रिक टन सोना खरीद रही है। ऐसा क्यों?' पहले जानते हैं कि क्या सरकार ने वाकई सोने की खरीद बढ़ा दी है? जवाब है- हां। लेकिन उतना नहीं, जितना सुरजेवाला दावा कर रहे। भारतीय रिजर्व बैंक, यानी आरबीआई के पास अभी 880.5 टन गोल्ड रिजर्व है। ये ऑल टाइम हाई है। भारत आज गोल्ड रिजर्व की ग्लोबल रैंकिंग में 5वें नंबर पर है। 2021 से 2025 के बीच 185 टन सोना खरीदा गया। पिछले 10 साल में आरबीआई का गोल्ड रिजर्व 560 टन से बढ़कर 880.5 टन हो गया, यानी 57फीसदी की बढ़त। फिलहाल भारत के कुल फॉरेन रिजर्व, यानी विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 16.7फीसदी है, जो पिछले साल से 5फीसदी ज्यादा है। दिलचस्प बात ये है कि आरबीआई विदेशी बैंकों की बजाय अब अपनी तिजोरियों में सोना जमा कर रहा है। 2023 में आरबीआई के गोल्ड रिजर्व का सिर्फ 38फीसदी देश में था, जो आज 77फीसदी हो गया है। फिलहाल 680.05 टन सोना देश में है, बाकी का करीब 197.67 टन सोना विदेशी तिजोरियों में रखा है। वहीं 2.8 टन गोल्ड डिपोजिट में है, यानी ब्याज कमाने के लिए निवेश किया गया है। सोने की ये घरवापसी पिछले 3 कारोबारी साल में बढ़ी है। आखिर सरकार लगातार सोना क्यों खरीद रही है? सोना खरीदने का ट्रेंड सिर्फ भारत में नहीं है। चीन, ब्राजील, तुर्किये, पोलैंड जैसे कई देशों के सेंट्रल बैंक गोल्ड रिजर्व बढ़ा रहे हैं। चीन तो पिछले 18 महीने से लगातार सोना जुटा रहा है। अभी उसके पास 2313.46 टन गोल्ड रिजर्व है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, कारोबारी साल 2025-26 में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने कुल 900 टन से ज्यादा सोना खरीदा, जो औसत से ज्यादा खरीद का लगातार चौथा साल है। सोने की ताबड़तोड़ खरीदी का डायरेक्ट कनेक्शन अमेरिकी डॉलर से है। सेंट्रल बैंक गोल्ड रिजर्व सर्वे-2025 की ये दो फाइंडिंग्स देखिए- दुनिया के 76फीसदी केंद्रीय बैंक अगले 5 सालों में अपना गोल्ड रिजर्व बढ़ाना चाहते हैं। 73फीसदी केंद्रीय बैंकों को उम्मीद है कि फॉरेन रिजर्व में अमेरिकी डॉलर का हिस्सा कम होगा। दुनियाभर में चर्चा है कि कारोबार और बचत के लिए अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम की जाए। इस चर्चा की सबसे बड़ी वजह है- अमेरिका का एक फैसला। दरअसल, 2022 में जब रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ, तो अमेरिका ने अपने यूरोपीय दोस्तों के साथ मिलकर रूस के 300 बिलियन डॉलर के फॉरेन रिजर्व पर रोक लगा दी थी। दरअसल, रूस का जो पैसा अमेरिकी ट्रेजरी बिल में जमा रखा था,अमेरिका ने उसे कैश करने से मना कर दिया था। अमेरिका के इस कदम से एक झटके में पूरी दुनिया सहम गई। माना जाने लगा कि अमेरिका अपनी करेंसी को हथियार की तरह इस्तेमाल कर सकता है। इसके बाद से दुनियाभर के देशों में डॉलर के प्रति भरोसा कम होने लगा और वो अपना फॉरेन रिजर्व दूसरी करेंसी और खासकर सोने में जमा करने लगे। 2016 में दुनियाभर के कुल फॉरेन रिजर्व में 65फीसदी अमेरिकी डॉलर था, जो अब घटकर 57फीसदी रह गया है। भारत ने भी ऐसा किया है। दरअसल, आरबीआई सोना खरीद कर फॉरेन रिजर्व में डॉलर पर निर्भरता घटाना चाहता है। डॉलर में उतार-चढ़ाव आता रहता है। अमेरिका ऐन वक्त पर इसे कैश करने में दगाबाजी भी कर सकता है। लेकिन सोना ऐसी चीज है, जिससे हम किसी भी देश से कोई भी सामान खरीद सकते हैं या सोने से कोई भी करेंसी खरीद सकते हैं। जब सरकार को लग रहा है कि सोना मुश्किल वक्त में काम आएगा, तब वो लोगों को सोना खरीदने से क्यों रोक रही है? इसका जवाब भारत के आयात बिल और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़ा है। दरअसल, भारत अपने इस्तेमाल का करीब 99फीसदी सोना विदेशों से खरीदता है। इसके लिए डॉलर चुकाए जाते हैं और ये डॉलर फॉरेन रिजर्व यानी विदेशी मुद्रा भंडार से खर्च होते हैं। यानी ज्यादा सोना खरीदा, तो ज्यादा डॉलर चुकाने पड़ेंगे। इससे आयात बिल बढ़ेगा और फॉरेन रिजर्व घटेगा। फिलहाल भारत के आयात बिल, यानी विदेशों से खरीदे जाने वाले सामान के कुल खर्चे में 9फीसदी की हिस्सेदारी के साथ सोना दूसरे नंबर पर है। पिछले कारोबारी साल में भारत ने 6.4 लाख करोड़ रुपए का सोना खरीदा। इसमें भी दिलचस्प बात ये है कि 2025-26 में पिछले कारोबारी साल के मुकाबले 4.76फीसदी कम मात्रा में सोना खरीदा, लेकिन सोने के इम्पोर्ट बिल में 24फीसदी तक का उछाल आया। इसकी सबसे बड़ी वजह थी- सोने की तेजी से बढ़ती कीमतें। सोने का दाम 76 हजार डॉलर प्रति किलो से बढ़कर 1 लाख डॉलर प्रति किलो तक पहुंच गया। अभी सोने की कीमत करीब 1.52 लाख डॉलर प्रति किलो है। इन कीमतों पर सोना खरीदने से भारत के फॉरेन रिजर्व में डॉलर तेजी से घटेगा। सोने की बढ़ी कीमतों के चलते गोल्ड इम्पोर्टर्स हाथ पीछे खींच रहे हैं और कम सोना भारत आ रहा है। जनवरी में करीब 100 टन, फरवरी में करीब 65 टन और मार्च में करीब 22 टन सोना खरीदा गया। अप्रैल में अनुमान है कि सिर्फ 15 टन सोना खरीदा जाएगा, जो पिछले 30 सालों के सबसे निचले स्तर में से एक है। सोने की घरेलू कीमतें करीब 1.60 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम हैं, जिसका असर कस्टमर की जेब पर पड़ रहा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक 2026 की पहली तिमाही में भारत में निवेश के लिए सोने की मांग गहनों से भी ज्यादा है। यानी अगर आप सोना नहीं खरीदेंगे, तो भारत का इम्पोर्ट बिल घटेगा। इससे फॉरेन रिजर्व में डॉलर स्थिर बना रहेगा और रुपया तेजी से कमजोर नहीं होगा।

आधुनिक समाचार नेटवर्क के ग्राफिक्स से समझिये

पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल 5 रुपए सस्ता हुआ,पेट्रोल 409.78 और हाई-स्पीड डीजल 409.58 रुपए लीटर मिल रहा, भारत में कल रु3-3 महंगे हुए थे

नयी दिल्ली। पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 5 रुपए लीटर (पाकिस्तानी रुपया) की कटौती की है। इसके बाद अब पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 409.78 रुपए प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 409.58 रुपए प्रति लीटर पर आ गई है। नई कीमतें आज यानी 16 मई से लागू हो गई हैं। हाल के दिनों में लगातार बढ़ती कीमतों के बाद इस कमी से मध्यम और निम्न-मध्यम वर्ग के बजट को थोड़ा सहारा मिलने की उम्मीद है, क्योंकि पेट्रोल का सीधा असर मोटरसाइकिल, रिक्शा और छोटी गाड़ियों पर पड़ता है। पाकिस्तान सरकार पिछले कुछ समय से हर हफ्ते शुक्रवार रात को पेट्रोलियम कीमतों की समीक्षा कर रही है। दरअसल, 28 फरवरी से अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुए युद्ध (जो फिलहाल थमा हुआ है) के बाद से ही पाकिस्तान में ईंधन संकट है। पाक सरकार ने भले ही 5 रुपए की राहत दी है, लेकिन ठीक एक हफ्ते पहले पेट्रोल की कीमतों में 14.92 और डीजल में 15 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के तुरंत बाद, सरकार ने 6 मार्च को पेट्रोल-डीजल 55 रुपए लीटर महंगा कर दिया था। 2 अप्रैल को पेट्रोल में 43इ और हाई-स्पीड डीजल की कीमतों में 55फीसदी की बढ़ोतरी की थी। भारत में 15 मई को पेट्रोल और डीजल की कीमतें 3-3 रुपए प्रति लीटर बढ़ी थीं।

इससे दिल्ली में पेट्रोल 97.77 रुपए प्रति लीटर और डीजल 90.67 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया। वहीं, कंपनियों ने प्रमुख शहरों में सीएनजी भी रु2 प्रति किलो तक महंगी कर दी। दिल्ली में अब एक किलो सीएनजी के लिए रु79.09 खर्च करने पड़ रहे हैं। इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर थे, जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं।

क्रूड ऑयल की कीमतें बढ़ने से तेल कंपनियां दबाव में थीं। इसलिए कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रही है तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें और भी बढ़ाई जा सकती हैं।

किराएदार ने मकान मालिक से पत्नी-बेटी का रेप कराया,किराया नहीं दे पा रहा था- 2 आरोपी गिरफ्तार

मोरबी। गुजरात के मोरबी में किराएदार ने किराया नहीं चुका पाने पर मकान मालिक को अपनी पत्नी और नाबालिग बेटी के साथ रेप की इजाजत दे दी। पुलिस ने महिला की शिकायत पर शनिवार को किराएदार और मकान मालिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, परिवार करीब छह महीने पहले काम की तलाश में मोरबी आया था। उन्होंने 2 हजार रुपए महीने पर किराए का घर लिया था। आर्थिक तंगी के कारण परिवार नियमित रूप से किराया नहीं दे पा रहा था। आरोप है कि मकान मालिक ने बकाया किराया माफ करने के बदले महिला से यौन संबंध बनाने की मांग की। पति इसके लिए तैयार हो गया। इसके बाद मकान मालिक ने महिला के साथ कई बार रेप किया। किराएदार की पत्नी के बाद मकान मालिक ने उसकी नाबालिग बेटी को भी निशाना बनाया। किराएदार ने इसके लिए भी सहमति दे दी। आरोप है कि बच्ची को अलग-अलग जगहों पर ले जाकर मकान मालिक और एक अन्य आरोपी ने उसका यौन शोषण किया। यह सिलसिला पिछले छह महीने से चल रहा था। घटना की जानकारी जब महिला के पिता (बच्ची के नाना) को हुई, तो उन्होंने मोरबी 'ए' डिवीजन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। मोरबी के डीएसपी जेएम आल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'ए' डिवीजन पुलिस स्टेशन के पीआई वाईबी जडेजा और उनकी टीम ने दो मुख्य आरोपियों (पति और मकान मालिक) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। तीसरे आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीम बनाई गई है।

5 दिन में 4 बच्चों को दिया जन्म

मुरादाबाद। डॉक्टरों ने बताया था कि यह सभी बच्चे अलग-अलग थैली में थे, जिससे प्रेगनेंसी में ओर भी ज्यादा रिस्क हो गया। परिवार ने चारों बच्चों को रखा-डॉक्टरों ने शुरुआत में फीटल रिडक्शन की सलाह दी थी लेकिन परिवार ने सभी बच्चों को सुरक्षित रखने का फैसला किया। इसके बाद डॉक्टरों की सलाह पर परिवार ने अमीना का इलाज मुरादाबाद के टीएमयू अस्पताल में करवाया, जहां सीनियर डॉक्टरों की निगरानी में उन्हें रखा गया था। बताया जा रहा है कि प्रेगनेंसी के दौरान अमीना को ड प्रेशर और लीवर से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ा। कई बार हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में रेगुलर भर्ती कराना पड़ा। 9 मई को दिया बच्चे को जन्म-8 मई को अमीना को प्रसव पीड़ा शुरू हुई और डॉक्टरों की एक टीम लगातार उसकी निगरानी कर रही थी। बीते 15-20 दिनों से डॉक्टर बच्चे और मां की सेहत पर नजर बनाए हुए थे। 9 मई को अमीना ने पहले बच्चे को जन्म दिया। बच्चे का वजन 710 ग्राम था और समय से पहले जन्म और कम वजन के कारण डॉक्टरों को बच्चे की सेहत में सुधार के लिए मेहनत करनी पड़ी। डॉक्टरों ने 9 मई को पहले बच्चे की डिलीवरी के बाद अन्य बच्चों की डिलीवरी को रोक दिया और अमीना को निगरानी में रखा। ऐसा इसलिए किया गया ताकि बच्चों को गर्भ में कुछ और समय मिल सके। इसके चार दिन बाद अमीना को तेज दर्द हुआ और उन्होंने एक बेटे और दो बेटियों को जन्म दिया। डॉक्टरों के अनुसार, फिलहाल चारों बच्चे डॉक्टरों की निगरानी में है। एक बच्चा सामान्य स्थिति में है, जबकि तीन बच्चों को आईसीयू में रखा गया है। परिवार में बच्चों के आने से खुशियों का माहौल है। दो साल पहले अमीना की शादी हुई थी और अब उनके चार बच्चे हैं। परिवार जश्न में डूब या है और सोशल मीडिया पर लोग इसे एक चमत्कार बता रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री बंदी के बेटे की गिरफ्तारी पर रोक नहीं,पॉस्को केस में कोर्ट ने अंतरिम जमानत पर फैसला टाला-नाबालिग से सेक्सुअल हैरेसमेंट का आरोप

तेलंगाना हाईकोर्ट ने पॉस्को केस में केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी बागीरथ की गिरफ्तारी पर रोक नहीं लगाई। उनकी अंतरिम अग्रिम जमानत याचिका पर अब अगली वेकेशन कोर्ट में आदेश आएगा। जस्टिस टी माधवी देवी ने शुक्रवार शाम याचिका पर सुनवाई की। सुनवाई करीब आधी रात तक चली। बागीरथ के वकील ने आदेश आने तक गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन कोर्ट ने इनकार कर दिया। 8 मई को 17 साल की लड़की की मां की शिकायत पर बागीरथ के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। शिकायत के मुताबिक, बागीरथ ने लड़की को सेक्सुअल हैरेसमेंट किया। पीड़िता का बयान के बाद पॉस्को एक्ट की धाराएं जोड़ी गईं। पीड़ित पक्ष-आरोपी का परिवार प्रभावशाली है, इससे सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका है। आरोपी को कोई राहत न दी जाए। बचाव पक्षः अदालत के पास अंतिम सुनवाई तक अंतरिम जमानत देने का अधिकार है। शिकायतकर्ता ने खुद माना है कि उनकी बेटी 2025 से आरोपी के साथ रिश्ते में थी। लड़की के परिवार ने शादी का दबाव बनाया था। 50 हजार रुपए लेने के बाद 5 करोड़ रुपए मांगे और झूठे केस में फंसाने की धमकी दी।सुनवाई शुरू होने से पहले जज ने कहा- सोशल मीडिया पर मेरे खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चलाया गया, इससे मुझे पीड़ा हुई है। नाबालिग से सात-आठ महीने से संपर्क में थे भागीरथ-दरअसल, नाबालिग की मां का आरोप है कि भागीरथ उनकी बेटी के साथ रिलेशनशिप में था और इस दौरान उसका यौन उत्पीड़न किया। पुलिस के मुताबिक दोनों पिछले सात-आठ महीनों से संपर्क में थे। हालांकि भागीरथ ने आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने तेलंगाना के करीमनगर में हनी ट्रैप और उगाही की शिकायत दर्ज कराई है। मंत्री के पीआरओ की ओर से जारी बयान में दावा किया गया कि एक महिला ने अपनी बेटी के जरिए भागीरथ को फंसाने की कोशिश की और बाद में बड़ी रकम मांगकर ब्लैकमेल किया। बयान में यह भी दावा किया गया कि महिला अपनी बेटी की उम्र गलत बता रही है। बंदी संजय ने कहा था- अगर बेटा दोषी है तो उसे सजा मिले- केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार ने अपने बेटे भागीरथ पर दर्ज पॉस्को केस को लेकर कहा था कि अगर उनका बेटा दोषी पाया जाता है तो उसे सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कानून के सामने सभी बराबर हैं और वह बेटे का बचाव नहीं कर रहे। केटीआर ने बंदी संजय के इस्तीफे की मांग की-इस मामले को लेकर बीआरएस नेता केटी रामा राव ने तेलंगाना पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पीड़िता के साथ अन्याय हो रहा है और बीजेपी की 'बेटी बचाओ' मुहिम पर सवाल उठाए। केटीआर ने मांग की कि केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार या तो इस्तीफा दें या उन्हें पद से हटाया जाए। केटीआर ने आरोप लगाया कि मंत्री के बेटे के खिलाफ कार्रवाई में देरी हुई और पूछा कि क्या कानून में उन्हें कोई विशेष छूट दी गई है। हैदराबाद में खैरताबाद बस स्टैंड पर केंद्रीय राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी भागीरथ को लेकर पोस्टर लगाए गए हैं। पोस्टरों में दावा किया गया है कि पोस्को केस में आरोपी बंदी भागीरथ लापता है।

नीदरलैंड से 1000 साल पुराने तमिल दस्तावेज भारत आएंगे

एम्सटर्डम।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीदरलैंड यात्रा के दौरान 11वीं सदी की ऐतिहासिक चोल ताम्र पट्टिकाओं को भारत लाने पर समझौता हुआ। ये करीब 1000 साल पुराने तमिल दस्तावेज हैं, जिनमें चोल साम्राज्य से जुड़ी ऐतिहासिक जानकारी है। समझौते के तहत 11वीं सदी की चोल ताम्र पट्टिकाएं जल्द भारत लाई जाएंगी। यह 21 बड़ी और 3 छोटी तांबे की प्लेटों का संग्रह है। इनमें ज्यादातर लेख तमिल भाषा में लिखे गए हैं। मोदी ने कहा कि इन पट्टिकाओं में राजा राजेंद्र चोल प्रथम और उनके पिता राजा राजराजा चोल प्रथम से जुड़ी जानकारी दर्ज है। ताम्र पट्टिकाएं तांबे की बनी प्लेटें होती हैं, जिन पर पुराने समय में अहम बातें लिखी जाती थीं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, 19वीं सदी में जब यूरोपीय देश भारत और एशिया के दूसरे हिस्सों में व्यापार और रिसर्च कर रहे थे, उसी दौरान ये दस्तावेज विदेश ले जाई गईं थीं। द हेग में टाटा आयोजित एक कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स और डच कंपनी एएसएमएल के बीच भी समझौता हुआ। यह करार सेमीकंडक्टर और चिप तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए है। एएसएमएल दुनिया की प्रमुख चिप मशीन बनाने वाली कंपनियों में शामिल है, जबकि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश बढ़ा रही है। मोदी ने शनिवार को नीदरलैंड के हेग शहर में वहां के राजा विलेम-अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा से मुलाकात की।

रितेश को लोग एक्टर से अधिक सीएम का बेटा माना,फिल्में फ्लॉप हुईं तो एक्टिंग छोड़ना चाहते थे- कॉमेडी से नई पहचान बनी फिर विलेन बनकर चौंकाया

मुंबई। कॉमेडी फिल्मों से पहचान बनाने वाले रितेश देशमुख आज 'राजा शिवाजी' में छत्रपति शिवाजी महाराज के

किरदार को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि एक दौर ऐसा भी था, जब लगातार फ्लॉप फिल्मों और ट्रोलिंग से परेशान होकर उन्होंने एक्टिंग छोड़ने का मन बना लिया था। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के बेटे होने की वजह से लोग उन्हें अक्सर एक्टर नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री का बेटा कहते थे। डेब्यू फिल्म 'तुझे मेरी कसम' के बाद उनकी कई फिल्में नहीं चलीं और उन्होंने दोबारा आर्किटेक्ट की नौकरी करने का फैसला कर लिया था। बाद में 'मस्ती', 'धमाल', 'हे बेबी' और 'हाउसफुल' जैसी फिल्मों ने उन्हें इंडस्ट्री में बनाए रखा। फिर 'एक विलेन' में निगेटिव किरदार निभाकर उन्होंने अलग पहचान बनाई। आज की सक्सेस स्टोरी में जानते हैं रितेश देशमुख के करियर और निजी जीवन से

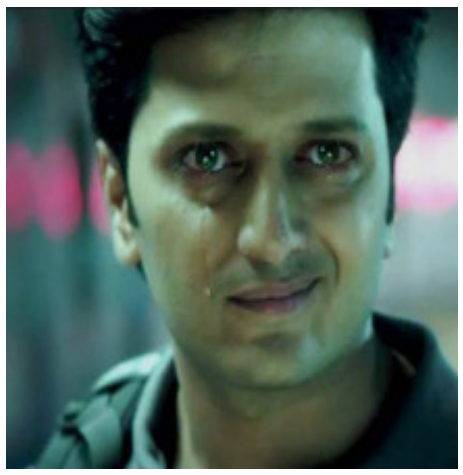

जुड़ी बातें। राजनीतिक परिवार से ताल्लुक, लेकिन राजनीति से दूरी-रितेश देशमुख का जन्म 17 दिसंबर 1978 को लातूर, महाराष्ट्र में हुआ था। वह महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के बेटे हैं। राजनीतिक परिवार से ताल्लुक होने की वजह से उनका बचपन राजनीति और सार्वजनिक जीवन के माहौल में बीता। हालांकि

रितेश ने कभी राजनीति में आने की इच्छा जाहिर नहीं की। उनका झुकाव शुरुआत से ही क्रिएटिव फील्ड और डिजाइनिंग की तरफ था। आर्किटेक्चर की पढ़ाई, न्यूयॉर्क में नौकरी-रितेश की शुरुआती पढ़ाई मुंबई के जी.डी. सोमानी मेमोरियल स्कूल से हुई। इसके बाद उन्होंने कमला रहेजा कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर एंड एनवायरनमेंटल स्टडीज, मुंबई से आर्किटेक्चर की डिग्री हासिल की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने कुछ समय न्यूयॉर्क की एक आर्किटेक्चर फर्म में काम किया। उस दौर में उनका फोकस पूरी तरह आर्किटेक्चर करियर पर था और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि फिल्मों में काम करेंगे। रितेश को कॉलेज के दिनों से ही स्टेज, एक्टिंग और एंटरटेनमेंट पसंद था। हालांकि वह काफी शर्मीले स्वभाव के थे। राजनीतिक परिवार से होने की वजह से वह सीमित दायरे में रहते थे और उन्हें लगता था कि संभलकर रहना चाहिए। 'तुझे मेरी कसम' से फिल्मों में एंट्री-रितेश का फिल्मों में आने का विचार धीरे-धीरे बना। उस समय तेलुगु फिल्म 'नुव्वे कवाली' बड़ी हिट हुई थी और इसके हिंदी रीमेक की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान रितेश तक फिल्म की स्क्रिप्ट पहुंची। शुरुआत में उन्होंने ओरिजिनल फिल्म देखने की कोशिश की, लेकिन भाषा समझ नहीं आने की वजह से ज्यादा देर नहीं देख पाए। बाद में निर्देशक के. विजय भास्कर ने उन्हें हैदराबाद बुलाकर पूरी स्क्रिप्ट सुनाई। रितेश स्क्रिप्ट और किरदार की सादगी से प्रभावित हुए। उन्हें लगा कि यह किरदार उनकी कॉलेज लाइफ जैसा है। रितेश कहते हैं- 'तुझे मेरी कसम' के जरिए मुझे सब करने का मौका मिला, जो मैं

रितेश ने कभी राजनीति में आने की इच्छा जाहिर नहीं की। उनका झुकाव शुरुआत से ही क्रिएटिव फील्ड और डिजाइनिंग की तरफ था। आर्किटेक्चर की पढ़ाई, न्यूयॉर्क में नौकरी-रितेश की शुरुआती पढ़ाई मुंबई के जी.डी. सोमानी मेमोरियल स्कूल से हुई। इसके बाद उन्होंने कमला रहेजा कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर एंड एनवायरनमेंटल स्टडीज, मुंबई से आर्किटेक्चर की डिग्री हासिल की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका करियर आसान नहीं रहा। उनकी कई फिल्में लगातार फ्लॉप रहीं और इंडस्ट्री में धारणा बनने लगी कि वह ज्यादा समय तक नहीं टिक पाएंगे। सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में रितेश ने बताया था कि जब उन्होंने फिल्मों में कदम रखा, तब उन्हें भरोसा नहीं था कि वह इंडस्ट्री में लंबे समय तक टिक पाएंगे। फिल्में फ्लॉप हुईं तो एक्टिंग छोड़ने का ख्याल आया-रितेश ने बताया कि एक

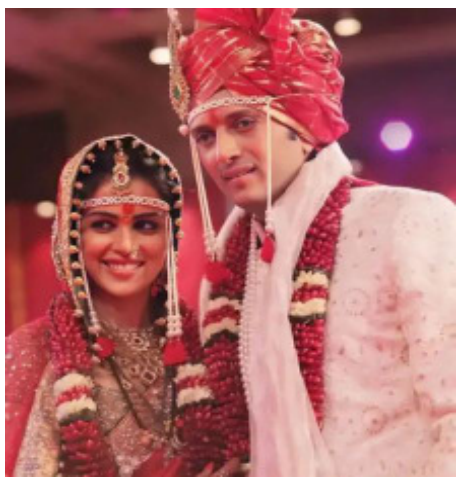

समय ऐसा आया जब उनकी लगातार पांच फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलीं। उस दौर में उन्हें लगने लगा था कि उनका करियर खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा था- एक वक्त ऐसा आया जब मेरी लगातार पांच फिल्में फ्लॉप हुईं। तब मैंने सोचा-बस, अब पैकअपष्ठ मैं वापस आर्किटेक्चर में चला जाऊंगा। उस दौर में इंडस्ट्री में चर्चा शुरू हो गई थी कि रितेश शायद लंबे समय तक बॉलीवुड में टिक नहीं पाएंगे। लगातार असफल फिल्मों की वजह से उनका आत्मविश्वास भी प्रभावित हुआ। कॉमेडी फिल्मों ने इंडस्ट्री में टिकने का मौका दिया-लगातार असफलताओं के बाद रितेश के करियर ने नया मोड़ लिया। फ्लॉप फिल्मों के बाद जब उनकी फिल्में सफल होने लगीं, तो उन्हें लगा कि इंडस्ट्री में उनकी नई जिंदगी शुरू हो गई है। कॉमेडी फिल्मों में रितेश देशमुख की टाइमिंग दर्शकों को पसंद आने लगी। 'मस्ती', 'क्या कूल हैं हम', 'मालामाल वीकली', 'हे बेबी', 'धमाल' और 'हाउसफुल' जैसी फिल्मों ने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई। बातचीत में रितेश देशमुख कहते हैं- मैं लोगों का आभारी हूं। उस दौर में जब मैंने डेब्यू किया था, अगर किसी एक तरह की फिल्म हिट हो जाती थी तो उसी तरह के और काम मिलते थे।इसलिए मेरी एक कॉमेडी फिल्म चली, तो फिर मुझे दूसरी और तीसरी कॉमेडी फिल्म मिलीं। मैं खुशकिस्मत था कि कॉमेडी-जेनर ने मुझे लंबे समय तक इंडस्ट्री में बनाए रखा। रितेश के मुताबिक, राजनीतिक परिवार से आने की वजह से उन्होंने बचपन से हार और वापसी दोनों करीब से देखी

सोमानी मेमोरियल स्कूल से हुई। इसके बाद उन्होंने कमला रहेजा कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर एंड एनवायरनमेंटल स्टडीज, मुंबई हैं कि इस बैकग्राउंड की वजह से उन पर दबाव भी बहुत ज्यादा था। लोग उन्हें एक्टर से ज्यादा सीएम का बेटा मानते थे। डेब्यू के बाद उनका करियर आसान नहीं रहा। उनकी कई फिल्में लगातार फ्लॉप रहीं और इंडस्ट्री में धारणा बनने लगी कि वह ज्यादा समय तक नहीं टिक पाएंगे। सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में रितेश ने बताया था कि जब उन्होंने फिल्मों में कदम रखा, तब उन्हें भरोसा नहीं था कि वह इंडस्ट्री में लंबे समय तक टिक पाएंगे। फिल्में फ्लॉप हुईं तो एक्टिंग छोड़ने का ख्याल आया-रितेश ने बताया कि एक समय ऐसा आया जब उनकी लगातार पांच फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलीं। उस दौर में उन्हें लगने लगा था कि उनका करियर खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा था- एक वक्त ऐसा आया जब मेरी लगातार पांच फिल्में फ्लॉप हुईं। तब मैंने सोचा-बस, अब पैकअपष्ठ मैं वापस आर्किटेक्चर में चला जाऊंगा। उस दौर में इंडस्ट्री में चर्चा शुरू हो गई थी कि रितेश शायद लंबे समय तक बॉलीवुड में टिक नहीं पाएंगे। लगातार असफल फिल्मों की वजह से उनका आत्मविश्वास भी प्रभावित हुआ। कॉमेडी फिल्मों ने इंडस्ट्री में टिकने का मौका दिया-लगातार असफलताओं के बाद रितेश के करियर ने नया मोड़ लिया। फ्लॉप फिल्मों के बाद जब उनकी फिल्में सफल होने लगीं, तो उन्हें लगा कि इंडस्ट्री में उनकी नई जिंदगी शुरू हो गई है। कॉमेडी फिल्मों में रितेश देशमुख की टाइमिंग दर्शकों को पसंद आने लगी। 'मस्ती', 'क्या कूल हैं हम', 'मालामाल वीकली', 'हे बेबी', 'धमाल' और 'हाउसफुल' जैसी फिल्मों ने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई। बातचीत में रितेश देशमुख कहते हैं- मैं लोगों का आभारी हूं। उस दौर में जब मैंने डेब्यू किया था, अगर किसी एक तरह की फिल्म हिट हो जाती थी तो उसी तरह के और काम मिलते थे।इसलिए मेरी एक कॉमेडी फिल्म चली, तो फिर मुझे दूसरी और तीसरी कॉमेडी फिल्म मिलीं। मैं खुशकिस्मत था कि कॉमेडी-जेनर ने मुझे लंबे समय तक इंडस्ट्री में बनाए रखा। रितेश के मुताबिक, राजनीतिक परिवार से आने की वजह से उन्होंने बचपन से हार और वापसी दोनों करीब से देखी थी, क्योंकि लोग उन्हें उस तरह के किरदार में देखने के आदी नहीं थे। लेकिन फिल्म की सफलता के बाद इंडस्ट्री का नजरिया बदल गया। इसके बाद उन्हें अलग तरह के रोल मिलने शुरू हुए। रितेश की सबसे बड़ी ताकत उनका सॉफ्ट फेस माना जाता है। स्क्रीन पर वह सामान्य और शांत इंसान जैसे दिखते हैं। यही वजह है कि जब वह अचानक हिंसक या खतरनाक किरदार निभाते हैं, तो उसका असर ज्यादा मजबूत दिखाई देता है। क्रिटिक्स का मानना है कि रितेश ने विलेन के किरदारों में ओवरएक्टिंग के बजाय शांत और दबे हुए गुस्से का इस्तेमाल किया, जिसने उनके रोल्स को ज्यादा डरावना बनाया। प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के तौर पर नई पारी की शुरुआत-अभिनेता होने के साथ-साथ रितेश देशमुख अब प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के तौर पर भी मराठी इंडस्ट्री में बड़ा नाम बन चुके हैं। रितेश और उनकी पत्नी जेनेलिया डिसूजा ने मिलकर 'मुंबई फिल्म कंपनी' नाम की प्रोडक्शन कंपनी शुरू की। राजनीतिक परिवार से आने वाले रितेश हमेशा से मराठी संस्कृति और इतिहास से जुड़े रहे हैं। यही वजह है कि उन्होंने मराठी फिल्मों को बड़े स्तर पर पेश करने की कोशिश की और ऐसी फिल्में बनाई, जिनका स्केल हिंदी फिल्मों जैसा दिखाई दे। 'लय भारी' ने मराठी सिनेमा की तस्वीर बदल दी-साल 2014 में रिलीज हुई 'लय भारी' रितेश के मराठी करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में गिनी जाती है। इस फिल्म को जेनेलिया ने प्रोड्यूस किया था और डायरेक्टर निशिकांत कामत थे। फिल्म में रितेश ने दोहरे रोल निभाए थे। एक्शन, भावनाएं और जनप्रिय मनोरंजन से भरपूर इस फिल्म ने मराठी बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड कमाई की थी। उस दौर में मराठी फिल्मों का बजट अपेक्षाकृत कम माना जाता था, लेकिन 'लय भारी' ने साबित किया कि मराठी सिनेमा भी बड़े पैमाने पर बनी फिल्मों को सफल बना सकता है। फिल्म में सलमान खान का छोटा-सा कैमियो भी चर्चा में रहा था। रितेश ने कई मराठी फिल्मों को प्रोड्यूस किया। उनका फोकस ऐसी कहानियों पर रहा, जो मराठी दर्शकों से जुड़ी हों, लेकिन प्रेजेंटेशन और स्केल में राष्ट्रीय स्तर की दिखें। मराठी फिल्म 'वेद' से डायरेक्टर बने-साल 2022 में मराठी फिल्म 'वेद' के जरिए रितेश ने निर्देशन में कदम रखा। यह फिल्म तेलुगु फिल्म 'मजिली' की मराठी रीमेक थी। फिल्म में रितेश और जेनेलिया की जोड़ी नजर आई।'वेद' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई और मराठी सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो गई। डायरेक्टर के तौर पर भी रितेश की काफी तारीफ हुई। अब 'राजा शिवाजी' से चर्चा में-इन दिनों रितेश अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म 'राजा शिवाजी' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म रिलीज हो चुकी है और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। यह फिल्म 'छत्रपति शिवाजी महाराज' के जीवन, युद्ध कौशल और हिंदवी स्वराज्य की स्थापना के संघर्ष पर आधारित है। फिल्म में रितेश ने खुद शिवाजी महाराज की भूमिका निभाई है और निर्देशन भी किया है। सलमान खान समेत कई बड़े स्टार्स की मौजूदगी-फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसका बड़ा स्टारकास्ट माना जा रहा है। सलमान खान फिल्म में खास कैमियो रोल में नजर आए हैं। उनके अलावा संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, फरदीन खान, विद्या बालन, जेनेलिया और कई मराठी कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई दिए हैं। यह फिल्म मराठी और हिंदी में रिलीज हुई है। खुद को अपडेट रखना बहुत जरूरी है-संघर्ष और चुनौतियों पर बात करते हुए रितेश देशमुख कहते हैं- चुनौती और संघर्ष यही है कि समय बदलता रहता है और सिनेमा के साथ दर्शकों की सोच भी बदल जाती है। हम अक्सर उसी पुराने ढंग की एक्टिंग में अटक जाते हैं, क्योंकि वह पहले चली थी। लेकिन समय बदलने पर अगर आप उसी तरह के रहो, तो आउट-डेट लगने लगते हैं। इसलिए अपने आप को समय के साथ अपडेट करना बहुत जरूरी है।

पाकिस्तान में धुरंधर 2 नंबर-1 ट्रेंडिंग फिल्म बनी,पाकिस्तानी क्रिएटर बोले- नेटफ्लिक्स पर 24 घंटे में 20 करोड़ व्यूज मिले

इस्लामाबाद। रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 के पाकिस्तान में नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के बाद प्लेटफॉर्म का सर्वर क्रैश हो गया और यह वहां नंबर-1 ट्रेंडिंग मूवी बन गई। ऐसा दावा पाकिस्तानी कंटेंट क्रिएटर माविया उमर फारूकी ने किया। हालांकि, सर्वर क्रैश होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फारूकी ने इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में लोग 15 मई रात 12 बजे फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे थे और रिलीज होते ही बड़ी संख्या में लोगों ने एकसाथ फिल्म देखने की कोशिश की। वीडियो में उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म को लेकर प्रोपेगेंडा होने की आलोचना के बावजूद पाकिस्तान में लोग इसे देखने के लिए उत्सुक थे। उनके मुताबिक, दर्शक यह जानना चाहते थे कि फिल्म कैसे बनाई गई है, रणवीर सिंह ने रोल को कैसे निभाया है और फिल्म में दिखाए गए ल्यारी (पाकिस्तान के कराची का इलाका) के घटनाक्रम कितने सही हैं। 24 घंटे में 20 करोड़ व्यूज का दावा-एक और वीडियो में फारूकी ने दावा किया कि धुरंधर 2 पाकिस्तान में नेटफ्लिक्स पर नंबर-1 पर ट्रेंड कर रही है। माविया के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में पाकिस्तान में करीब 20 करोड़ व्यूज आए हैं और यह देश की सबसे बड़ी ट्रेंडिंग फिल्म बन गई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में इससे पहले किसी फिल्म ने रिलीज के सिर्फ 24 घंटे में नंबर-1 पोजिशन हासिल नहीं की। हालांकि, '20 करोड़ व्यूज' का मतलब यह नहीं है कि 20 करोड़ अलग-अलग लोगों ने फिल्म देखी। एक व्यक्ति जितनी बार फिल्म चलाएगा, उतनी बार व्यू काउंट बढ़ेगा। धुरंधर 2 पाकिस्तान में 15 मई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई। यह फिल्म इंटरनेशनल लेवल पर नेटफ्लिक्स पर धुरंधरः द रिवेंज (रॉ एंड अनदेखा) टाइटल से रिलीज हुई। फिल्म का 3 घंटे 52 मिनट का अनकट वर्जन नेटफ्लिक्स पाकिस्तान पर उपलब्ध है। इसमें लगभग 3 मिनट के नए एक्शन सीन और कुछ रॉ फुटेज हैं, जिन्हें भारतीय थिएटर वर्जन से हटा दिया गया था। पाकिस्तान और दूसरे देशों के दर्शक अभी यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं, लेकिन यह भारत में नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध नहीं है। 4 जून को भारत में होगी ओटीटी रिलीज-भारत में धुरंधर 2 के डिजिटल राइट्स जियो-हॉटस्टार के पास हैं, जहां यह 4 जून को रिलीज होगी। फिल्म की ओटीटी रिलीज की जानकारी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर दी। पोस्ट में लिखा गया, 'आंधी बनके जो आ रहा है उसे धुरंधर कहते हैं। देखिए धुरंधरः द रिवेंज, रॉ एंड अनदेखा। ग्रैंड डिजिटल प्रीमियर 4 जून शाम 7 बजे, स्ट्रीमिंग शुरू 5 जून से सिर्फ जियो-हॉटस्टार पर।' धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई करते हुए भारत में दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनने का रिकॉर्ड बनाया। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने अब तक भारत में करीब रु1145 करोड़ नेट कलेक्शन और दुनियाभर में लगभग रु1797 करोड़ ग्रॉस कमाई कर ली है। ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होती है। धुरंधर 2 में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में थे। इसके अलावा फिल्म में संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, गौरव गेरा और राकेश बेदी जैसे कलाकार भी नजर आए। जबकि पहले पार्ट में अक्षय खन्ना ने भी अहम भूमिका निभाई थी। धुरंधर (2025) और धुरंधर 2 (2026) दोनों ही फिल्मों का निर्देशन आदित्य धर ने किया। फिल्म को ज्योति देशपांडे और आदित्य धर ने मिलकर जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज के बैनर तले प्रोड्यूस किया है।

BOX OFFICE REPORT

Top Indian Movies Collection (₹ In Crores)

Film (Language)	Worldwide	India Gross	India Net
Dangal (Hindi)	₹2,070	₹535	₹387
Dhurandhar 2 (Hindi)	₹1,797	₹1,370	₹1,145
Baahubali 2 (Tel/Tam)	₹1,788	₹1,417	₹1,030
Pushpa 2 (Telugu)	₹1,742	₹1,471	₹1,234
Dhurandhar (Hindi)	₹1,307	₹1,008	₹840
RRR (Telugu)	₹1,230	₹916	₹782
KGF Chapter 2 (Kannada)	₹1,215	₹1,001	₹860
Jawan (Hindi)	₹1,160	₹760	₹640
Pathaan (Hindi)	₹1,055	₹658	₹543
Kalki 2898 AD (Telugu)	₹1,042	₹767	₹646

सलमान बोले- जिंदगी में किसी फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी,कहा- स्क्रिप्ट लिखी हैं,120 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने हाल ही में बताया कि उन्होंने आज तक कभी किसी फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। वैरायटी

इंडिया को दिए इंटरव्यू में सलमान ने कहा, 'मैंने अपनी जिंदगी में कभी स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। मैंने स्क्रिप्ट लिखी हैं, लेकिन पढ़ी नहीं हैं।' इंटरव्यू में सलमान ने अपनी लग्जरी घड़ियों को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, 'आप मुझे महंगी घड़ियां पहने देखते हैं, इसका मतलब यह नहीं कि वो मेरी हैं।' उन्होंने मजाक में कहा कि कई घड़ियां उनके दोस्तों की होती हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान जल्द ही फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' में नजर आएंगे। इस फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी होंगी। पहले इस फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवान' था। फिल्म की रिलीज डेट पहले 17 अप्रैल थी, जो टाल दी गई है और नई तारीख का अभी ऐलान नहीं हुआ है। सलमान ने नई फिल्म की शूटिंग शुरू की-वहीं, सलमान ने एक्ट्रेस नयनतारा के साथ अपनी दूसरी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका अस्थायी नाम एसवीसी63 है। इसके अलावा, वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक सलमान डायरेक्टर जोड़ी राज निदिमोरू और कृष्णा डी.के. के साथ एक सुपरहीरो एक्शन फिल्म में भी काम कर सकते हैं। ऐसी भी चर्चा है कि इस प्रोजेक्ट में वह करीना कपूर खान के साथ काम कर सकते हैं। 'बीबी हो तो ऐसी' से हुई थी सलमान के करियर की शुरुआत-सलमान ने 1988 में आई फिल्म बीवी हो तो ऐसी से बॉलीवुड डेब्यू किया था। हालांकि, इस फिल्म में उन्होंने सपोर्टिंग रोल निभाया था। बतौर लीड सलमान पहली बार 1989 में सूरज बड़जात्या की फिल्म मैंने प्यार किया में नजर आए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई। इसके बाद वो साजन, हम आपके हैं कौन..!, करण अर्जुन और तेरे नाम जैसी हिट फिल्मों में नजर आए। सलमान ने वॉन्टेड, सुल्तान और दबंग जैसी सुपरहिट फिल्में दी-सलमान के करियर में ऐसे मौके भी आए, जब उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुईं। 2000 के दशक के मध्य में उनकी कई फिल्में (जैसे जान-ए-मन, फिर मिलेंगे, शादी करके फंस गया यार) बॉक्स ऑफिस पर फ्लाप रहीं। लेकिन एक्टर ने फिल्म वॉन्टेड से शानदार वापसी की थी। 2009 से लेकर 2016 तक उनकी ज्यादातर फिल्मों ने अच्छा कलेक्शन भी किया। जिसमें वॉन्टेड, दबंग, रेडी, दबंग 2, बजरंगी भाईजान और सुल्तान शामिल हैं। 2017 में सलमान की फिल्म 'ट्यूबलाइट' आई, जो कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। हालांकि, इसके बाद एक्टर 'टाइगर जिंदा है' में नजर आए, जिसने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 565 करोड़ रुपए की कमाई की थी। वहीं, फिल्म 'टाइगर 3' ने दुनिया भर में कुल 464-466.63 करोड़ रुपए का लाइफटाइम वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन किया। हालांकि, उनकी आखिरी फिल्म सिकंदर उम्मीदों के हिसाब से प्रदर्शन नहीं कर पाई। 200 करोड़ रुपए के बजट वाली इस फिल्म ने 184.89 करोड़ रुपए कमाए।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।